मुझे बदनाम और फिर पंजाब को.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

27 नवंबर को रिलीज होगी... 11

वर्ष - 02, अंक - 156 | गाजियाबाद / मंगलवार 08 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

कश्मीर के बाद अब उत्तराखंड में बर्फबारी

बिहार के 12 जिलों में बाढ़, 23 लाख लोग प्रभावित; यूपी के बरेली में फायर स्टेशन में पानी भरा

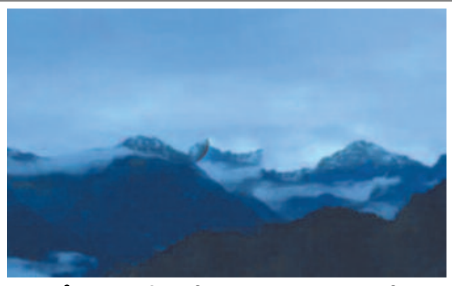

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना/श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी के बाद अब उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है।

बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति बन गई है। राज्य के 12 जिलों में 22.42 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर में रिंग बांध ओवरफ्लो होने से सुल्तानगंज के करीब 4 हजार घर पानी में डूब गए। वहीं, यूपी में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। बरेली में रविवार दोपहर से रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते फायर स्टेशन में 3 फीट तक पानी भर गया। घरों के किचन और बेडरूम तक घुटनों तक पानी पहुंच गया।

उत्तराखंड की सीमा से लगे नेपाल में नदी पर बनी कृत्रिम झील

● *बारिश-लैंडस्लाइड हुआ तो बढ़ेगी मुश्किल*

नेपाल में किया गया अलर्ट

सबसे बड़ी आशंका इसी बात की है कि भूस्खलन से बना प्राकृतिक बांध अचानक टूटता है तो जमा पानी तेज बहाव के साथ नीचे आ सकता है और चमेलिया के रास्ते काली नदी में पहुंचकर भारत के सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा कर सकता है।

नईदिल्ली/पिथौरागढ़ (एजेंसी)। उत्तराखंड की सीमा से लगे नेपाल के दार्चुला जिले के अपिहिमाल क्षेत्र के भट्टाड़ में भारी भूस्खलन से चमेलिया नदी का प्रवाह बाधित हो गया है। बताया जा रहा है कि चमेलिया नदी का प्रवाह बाधित होने के कारण नेपाल में कृत्रिम झील बनने लगी है। लगातार बारिश के बीच मलबा बढ़ने से नदी पूरी तरह अवरुद्ध होने की आशंका जताई जा रही है।

भारतीय क्षेत्र में भी निगरानी बढ़ाई गई

चमेलिया नदी भारत के गेठीगाड़ा क्षेत्र के पास काली नदी में मिलती है, जिसके बाद नदी झूलाघाट और पंचेश्वर की ओर बहती है। खतरे को देखते हुए नेपाल प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा है. भारतीय क्षेत्र में भी नदी के जलस्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है।

● **झील का जलस्तर थोड़ा सामान्य हुआ–** फिलहाल जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार शुक्रवार को नेपाल के सीमांत दार्चुला जिले में अपि हिमाल गांव पालिका के वार्ड नंबर–1 भट्टाड़ में भारी बारिश के कारण हुए भीषण भूस्खलन हुआ है। पहाड़ी दरकने से चमेलिया नदी का बहाव रुक गया और वहां एक बड़ी झील बन गई। हालांकि दो दिन बाद झील का जलस्तर कम हो जाने से स्थिति थोड़ी सामान्य हो गई। अभी भी क्षेत्र में भूस्खलन होने से खतरा नहीं टला है।

स्वच्छता वायु सर्वेक्षण 2026 में लखनऊ ने इंदौर को पछाड़ा

टॉप 5 में मप्र का जलवा; 21वें स्थान पर दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस बार के नतीजों में यूपी की राजधानी लखनऊ ने बाजी मार ली है। वहीं, एमपी के इंदौर ने दूसरा और जबलपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस श्रेणी में देश की राजधानी दिल्ली 172 अंकों के साथ 21वें स्थान पर और मुंबई 160.8 अंकों के साथ 28वें स्थान पर रही। वहीं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने 189 अंकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया है। दुर्ग-भिलाई 175.3 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा।

10 लाख से अधिक आबादी वाले टॉप-5 शहर– केटेगरी-फर्स्ट- जिसमें 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर शामिल हैं, उसमें यूपी की राजधानी लखनऊ को पहला स्थान, एमपी के इंदौर को दूसरा स्थान, जबलपुर को तीसरा, भोपाल और आगरा को संयुक्त रूप से चौथा और गुजरात के सूरत को पांचवा स्थान मिला है।

कैटेगरी-सेकेण्ड- 3 से 10 लाख तक की आबादी वाले शहर

केटेगरी–सेकेण्ड– जिसमें 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहर हैं, में ओडिशा के राउरकेला ने 198.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर फिरोजाबाद और गुंटूर 195 अंकों के साथ रहे। इस केटेगरी में छत्तीसगढ़ के कोरबा ने 186.5 अंकों के साथ 10वां स्थान हासिल किया है। मध्य प्रदेश से ग्वालियर 157 अंकों के साथ 30वें, सागर 178 अंकों के साथ 18वें और उज्जैन 181.5 अंकों के साथ 13वें स्थान पर रहा।

संक्षिप्त

36 हजार फीट पर प्लेन का ऑयल प्रेशर कम हुआ

अबू धाबी जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट कोच्चि लौटी, एक इंजन के सहारे इमरजेंसी लैंडिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण एक इंजन के सहारे कोच्चि लौटना पड़ा और यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। मीडिया सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बोइंग 737 विमान अबू धाबी जा रहा था। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद पायलट ने इसके एक इंजन में ऑयल प्रेशर कम पाया। तब यह 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था।

इंजन में ऑयल खतरनाक स्तर तक कम हो गया, तब दोनों पायलट ने इसे बंद करने का फैसला किया। वे एक इंजन सहारे ही कोच्चि लौटे ।चूंकि विमान ने करीब दो घंटे की ही उड़ान भरी थी इसलिए इसमें फ्यूल ज्यादा था। ऐसे में यह ओवरवेट लैंडिंग थी, जो और भी जोखिम भरी होती है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा– रिपोर्ट्स सही नहीं
एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, 'एक हफ्ते पहले हमारी कोच्चि–अबू धाबी की एक फ्लाइट ने तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वापस कोच्चि लौटने का फैसला किया था। इस घटना को सही समय और पूरे संदर्भ के बिना पेश करने वाली रिपोर्ट्स यात्रियों और आम लोगों के बीच अनावश्यक चिंता पैदा कर सकती हैं।'

गुवाहाटी में पति ने पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा

दोनों हाथों की उंगलियां भी काटी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने शादी के कुछ ही महीनों बाद पत्नी की क्रूर हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। हत्या के बाद पति फरार हो गया ।मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ जब, पड़ोसियों को घर से तेज बदबू आने लगी। शिकायत के बाद पुलिस अपार्टमेंट में पहुंची, पुलिस ने जब फ्लैट का

का ताला तोड़ा, तो कमरे में महिला का धड़ मिला। कमरे की तलाशी लेने पर फ्रिज में सिर मिला। महिला के दोनों हाथों की उंगलियां भी आधी कटी हुई थीं और शरीर सड़ना शुरू हो गया था। पुलिस ने आरोपी पति को अरेस्ट कर लिया है।

किसी बात को लेकर हुई थी दोनों की बहस
महिला की पहचान 25 साल की रिया तालुकदार के रूप में हुई है। रिया की शादी करीब 6 महीने पहले ही गुवाहाटी के हाटीगांव इलाके में रहने वाले रामानुजन गोस्वामी से हुई थी। दोनों फ्लैट में किराए से रहते थे। रिया की हत्या के बाद से ही रामानुजन फरार था, जिसे पुलिस ने सोमवार सुबह अरेस्ट कर लिया।

सरकार ने कहा शुद्धिकरण मामले की होगी निष्पक्ष जांच

सुरक्षित रखेंगे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, हाईकोर्ट ने निस्तारित की याचिका

नैनीताल (एजेंसी)। उत्तराखंड हाईकोर्ट में हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद सभा स्थल का 'शुद्धिकरण' के चर्चित मामले में आज सुनवाई हुई। मामले में आज हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि

मामले में 2 एफआईआर दर्ज हुई हैं। इनमें एक हल्द्वानी में और दूसरी मीडिया में छपी खबर के आधार पर जीरो एफ आई आर बेंगलुरु में दर्ज हुई है।

शुद्धिकरण मामले की याचिका हाईकोर्ट ने निस्तारित की: कोर्ट को बताया गया कि बेंगलुरू में दर्ज हुई एफआईआर जांच के लिए हल्द्वानी में ट्रांसफर कि जानी है। सरकार ने कोर्ट को आश्वस्त किया है कि पुलिस मामले में निष्पक्ष जांच करेगी। सरकार ने सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को भी सुरक्षित रखने की बात कही है।

मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से

अब तक पिता-बेटा समेत 22 मौतें!

112 की हालत बिगड़ी, सागर-भोपाल में भर्ती; शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार

भोपाल/सागर (एजेंसी)। सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है। वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।

● **परिजन बोले– शराब पीने के बाद बिगड़ी तबीयत–** जहरीली शराब से मरने वाले महेश के भतीजे श्रवण कुमार रावत ने बताया कि चाचा ने कल शाम को शराब पी थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी। वहीं, श्याम बाई के बेटे विट्ठल अहिरवार ने कहा– हम मामा के घर गमी में गए थे। मां घर में अकेली थी। उन्होंने गांव में किसी से मंगवाकर शराब पी ली। देर रात उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। सुबह उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।

● **एक शख्स ने पूछा था– जहरीली शराब तो नहीं है–** बंडा थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, फरियादी अनूप सिंह लोधी ने बताया कि उसके गांव में करीब 8 लोग अवैध रूप से शराब बेचते हैं। 4 सितंबर को वह अपने भतीजे राजेंद्र लोधी के साथ जुझार लोधी की दुकान पर गया था। जुझार ने बताया कि बरेठी के लाइसेंसी शराब ठेकेदार यशवंत सिंह, मनीष लोधी और बंडा निवासी आशीष साहू ने आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रविंद्र, रोहित, अनिकेत गंधर्व और माखन के माध्यम से अपनी गाड़ी से नया सस्ता ब्रांड भेजा है। उसने कहा कि यह शराब दुकान से 20 रुपए सस्ती मिलेगी। अनूप ने कहा कि उसे आज शराब नहीं पीनी है। राजेंद्र ने पूछा कि नकली जहरीली शराब तो नहीं है।

● **ग्रामीण बोले– ततरवारा गांव से होती थी शराब की सप्लाई–** नाम न छापने की शर्त पर ग्रामीणों ने बताया कि नौराज ग्राम पंचायत के ततरवारा गांव में लंबे समय से अवैध शराब बनाई जा रही है।

दावा-ठाकरे गुट के 14 विधायक एकनाथ के संपर्क में

शिंदे के एमएलए बोले-जल्द होगा ऑपरेशन टाइगर-4, उद्धव के 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हुए थे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना शिंदे गुट के विधायक मुरजी पटेल ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में राज्य में ऑपरेशन टाइगर-4 होने वाला है। पटेल का कहना है कि शिवसेना ठाकरे गुट के करीब 14 विधायक एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के लोकसभा में कुल 9 सांसदों में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। लोकसभा में अब शिंदे के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। हालांकि, 14 विधायकों वाली बात को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

पटेल बोले- विधायक और नगरसेवक शिंदे की शिवसेना में शामिल हो सकते हैं– मुरजी पटेल के दावे के मुताबिक, ठाकरे गुट के सांसदों के बाद अब विधायक और फिर नगरसेवक भी शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। इस पूरी चर्चा में 14 का आंकड़ा बेहद अहम माना जा रहा है। विधानसभा में ठाकरे गुट के पास 20 विधायक हैं। कानून के मुताबिक, अगर इनमें से दो-तिहाई विधायक एक साथ दलबदल करते हैं, तो दलबदल विरोधी कानून के तहत अलग कानूनी और राजनीतिक स्थिति बन सकती है।

सूत्रों के हवाले से यह भी दावा किया जा रहा है कि कुछ विधायकों ने किसी अनजान जगह पर एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। इसके अलावा, महाविकास अघाड़ी की हालिया बैठक में 60 में से 37 विधायकों की अनुपस्थिति ने भी राजनीतिक अटकलों को बढ़ा दिया।

डिप्टी सीएम शिंदे बोले

अब हमने छक्का लगाया

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सभी 6 सांसदों ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के साथ मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी से अलग होने का ऐलान किया था। डिप्टी सीएम ने कहा था, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष–बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है।' उन्होंने कहा, ' हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए।'

तबाही के 11 दिन बाद तिब्बत पहुंचा इंटरनेशनल मीडिया

चीनी विदेश मंत्रालय ने दौरा कराया, नेपाल बाढ़ हादसे में अभी भी 5000 लोग लापता

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल-तिब्बत सीमा पर ग्लेशियर टूटने के बाद आई भीषण बाढ़ से प्रभावित इलाके में पहली बार इंटरनेशनल मीडिया को जाने की इजाजत दी गई है।चीन के विदेश मंत्रालय ने रविवार को रॉयटर्स समेत कई विदेशी मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को ग्यिरोंग बॉर्डर क्रॉसिंग का दौरा कराया। यह इलाका 26 अगस्त को पानी, कीचड़ और मलबे की तेज लहर की चपेट में आया था। चीन और नेपाल को मिलाकर इस आपदा में 1,300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 5,000 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।

मुझे बदनाम और फिर पंजाब को लूटने का मौका तलाश रहा विपक्ष: सीएम मान

-अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी से गठबंधन की भीख मांग रहा

बठिंडा, एजेंसी।
पंजाब के सीएम भगवंत मान ने विपक्षी नेताओं पर उन्हें बदनाम करने की कोशिश करने और ''सालों तक अपना खजाना भरने के बाद एक बार फिर पंजाब को लूटने'' का मौका तलाशने का आरोप लगाया है। बठिंडा के घुड्डा गांव में 'लोक मिलनी' कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि उनकी सरकार लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रही है। बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि दोनों पूर्व सहयोगी एक बार फिर गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ नेता ''मोदी कोटे'' से हैं और कुछ ''राहुल गांधी कोटे'' से, जबकि वह अकेले ''जनता के कोटे'' से हैं। सीएम मान ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों का पंजाब और उसके लोगों के खिलाफ काम करने का ''संदिग्ध रिकॉर्ड'' रहा है और उनके कृत्यों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, सतलुज यमुना लिंक नहर, हरिके नहर, गणतंत्र दिवस की झांकियों, ग्रामीण विकास कोष और सीमावर्ती क्षेत्र के कोष जैसे मुद्दों पर बीजेपी ने हमेशा पंजाब के साथ अन्याय किया है।

सीएम मान ने आरोप लगाया कि ''काले कृषि कानूनों'' के खिलाफ प्रदर्शन में शहीद हुए पंजाब के 700 से ज्यादा किसानों के खून से बीजेपी के हाथ रंगे हुए हैं और पंजाब की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी। कांग्रेस के रिकॉर्ड की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि इसी पार्टी ने श्री अकाल तख्त साहिब में टैंक भेजे थे। मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में फैले नशे के खतरे को रोकने के लिए कुछ नहीं किया और बेअदबी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने में भी विफल रही।

शिअद पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी के साथ गठबंधन की ''भीख मांग रहा है'' और इस गठबंधन के पीछे न कोई विचारधारा है, न पंजाब के लिए दृष्टिकोण और न ही लोगों की चिंता। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर कटाक्ष करते हुए मान ने दावा किया कि वह जीवनभर सुख-सुविधाओं से घिरे सुरक्षित माहौल में रहे हैं और पंजाब की जमीनी हकीकत नहीं समझते। उन्होंने कहा कि बादल को राज्य की बुनियादी भौगोलिक जानकारी तक नहीं है और किसानों की समस्याओं की भी उन्हें बहुत कम जानकारी है। कांग्रेस में ''अंदरूनी कलह'' पर तंज कसते हुए मान ने कहा कि कांग्रेस नेता सत्ता के लिए आपस में लड़ रहे हैं, जबकि राज्य सरकार लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है।

फर्जी दस्तावेज से 20 विदेशियों के पासपोर्ट जारी, विदेश मंत्रालय में हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विदेशी नागरिकों के भारतीय पासपोर्ट हासिल करने का मामला सामने आने से विदेश मंत्रालय में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पासपोर्ट पोर्टल के माध्यम से करीब 20 विदेशियों के नाम पर भारतीय पासपोर्ट जारी किए गए। मामले ने ऑनलाइन सत्यापन और दस्तावेज जांच की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसियों को आशंका है कि गिरोह ने फर्जी पहचान, पते और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आवेदकों को भारतीय नागरिक के रूप में प्रस्तुत किया। इसके बाद पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया में इन दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड कर पासपोर्ट हासिल किए गए। अब यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है, दस्तावेजों की जांच के दौरान किस स्तर पर चूक हुई। कहीं कर्मचारियों या बिचौलियों की मिलीभगत तो नहीं थी। विदेश मंत्रालय और संबंधित एजेंसियां जारी पासपोर्टों की जानकारी खंगाल रही हैं। हाल में बांग्लादेश के 20 नागरिकों के फर्जी पासपोर्ट जारी हुए हैं। जानकारी का खुलासा होने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक को मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। डबरा के एक ही पते पर 20 बांग्लादेशी पासपोर्ट बनने का मामला सामने आया है। इन पासपोर्ट के जरिए विदेश यात्रा या अन्य गतिविधियों में तो नहीं हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है। मंत्रालय की ओर से पासपोर्ट प्रक्रिया में सुरक्षा जांच और डिजिटल सत्यापन को और मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है।

शिमला की मस्जिद में निकला अवैध निर्माण, आयुक्त कोर्ट ने दिए दीवार गिराने का आदेश

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के शिमला के संजौली में मस्जिद को लेकर खूब विवाद हुआ था और बाद में इस मस्जिद को अवैध करार दिया था। मामले में फिर मस्जिद को गिराने का भी काम भी शुरू हो गया था। ऐसे में अब शहर में एक और मस्जिद में निर्माण अवैध निकला है और इस पर भी बुलडोजर चलाने के आदेश दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक शिमला शहर के बालूगंज में मस्जिद परिसर में कथित अवैध निर्माण के मामले में नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने दीवार गिराने के आदेश दिए हैं। आयुक्त की कोर्ट ने 2013 से चल रहे मामले की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। नगर निगम के मुताबिक पुराने शौचालयों की दीवार को बिना अनुमति दोबारा बनाया गया था और नई दीवार पुरानी सीमा से करीब डेढ़ से दो फीट बाहर थी। मस्जिद पक्ष ने निर्माण को सुविधा के लिए किया गया बताते हुए जमीन पर अपना अधिकार होने का तर्क दिया था। शनिवार को आयुक्त कोर्ट ने अवैध निर्माण से जुड़े 20 मामलों में से छह पर फैसला सुनाया। इनमें बालूगंज मस्जिद के अलावा न्यू शिमला, खलीनी, पंथाघाटी और फ्लावरडेल के मामले भी शामिल हैं। वहीं, हिंदू संगठन देवभूमि संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने मस्जिद मामले को लेकर मोर्चा खोल दिया है और उनका कहना है कि हिन्दू संगठनों ने पहले भी इस मामले को उठाया था ना केवल बालूगंज बल्कि शिमला में बहुत सी ऐसी मस्जिदें हैं जो अवैध रूप से बनाई गई हैं। मस्जिद कमेटी इस मामले को जिला अदालत में ले जाएगी या मस्जिद की दिवार गिराई जाएगी फिलहाल यह कार्रवाई केवल संबंधित दीवार/निर्माण को हटाने तक सीमित है, पूरी मस्जिद को गिराने का कोई आदेश नहीं है।

भीषण तूफान का अलर्ट : 24 राज्यों में भारी बारिश, आंधी और वज्रपात की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने देश के 24 राज्यों में भारी बारिश, तेज आंधी और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है, इसके बाद लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। मानसून की रफ्तार फिर तेज हो गई है और देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ने वाला है। चेतावनी में कहा गया है कि कई इलाकों में 40 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है, साथ ही बिजली गिरने और ओलावृष्टि की भी संभावना है। दिल्ली में भारी बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम का असर व्यापक रहने वाला है, जहां मेरठ, मुजफ्फरनगर, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, कानपुर, बहराइच, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, इटावा और अयोध्या समेत कई जिलों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी है। इसी तरह, बिहार में पटना, गया, जहानाबाद, भोजपुर, गोपालगंज, बक्सर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर और मुंगेर में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी राज्यों में खतरा और बढ़ सकता है। उत्तराखंड के बागेश्वर, हरिद्वार, नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी और चमोली में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा भी बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के भी कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, अनंतनाग, जम्मू, बारामुल्ला समेत कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी दी गई है। वहीं राजस्थान के जैसलमेर, जयपुर, झुंझुनू, सीकर, चूरू, अजमेर, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर और भरतपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है, जहां हवाओं की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

हवा में तेल खत्म होने से बची सैकड़ों जिंदगियां, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि (एजेंसी)। आसमान में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया, जब कोच्चि से अबू धाबी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में अचानक तेल का दबाव कम होने लगा। 36,000 फीट की ऊंचाई पर करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद क्रू ने इंजन 1 में तेल की मात्रा तेजी से घटते देखी और उसकी सप्लाई रोक दी। खतरे को भांपते हुए क्रू ने तकनीकी प्रोटोकॉल का पालन कर विमान को वापस कोच्चि लाने का निर्णय लिया।
मिली जानकारी के अनुसार, बोइंग 737 विमान को सुरक्षित कोच्चि हवाई अड्डे पर उतार लिया गया और सभी यात्री सुरक्षित हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस या एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विमान की जांच शुरू कर दी गई है और विमान ने दोबारा उड़ान नहीं भरी है। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि तेल संबंधी यह समस्या क्यों आई और इसका जिम्मेदार कौन है। यह पहला मौका नहीं है, जब एयर इंडिया एक्सप्रेस के किसी विमान में ऐसी तकनीकी दिक्कत आई हो। हाल ही में वाराणसी से दिल्ली आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक और उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा था। विमान के कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं की चेतावनी मिलने के बाद यह फैसला लिया था। हालांकि, लखनऊ में भी विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई और बाद में वैकल्पिक विमान से यात्रियों को दिल्ली भेजा गया था। इन लगातार सामने आ रही तकनीकी समस्याओं ने विमानन सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत जोड़ो यात्रा को 4 साल पूरे: कांग्रेस ने बताया राजनीति का परिवर्तनकारी मोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत को देश की समकालीन राजनीति में एक परिवर्तनकारी घटना बताया है, जिसने राष्ट्र में नई उम्मीद और नया संकल्प पैदा किया। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने ऐतिहासिक पदयात्रा 7 सितंबर, 2022 को कन्याकुमारी से शुरू की थी, जिसका समापन 30 जनवरी, 2023 को श्रीनगर में एक रैली के साथ हुआ। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने पदयात्रा को एक निर्णायक मोड़ बताया, जिसने देश में नई ऊर्जा और संकल्प का संचार किया। राहुल गांधी के नेतृत्व में, यह यात्रा 145 दिनों में 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 4,080 किलोमीटर की दूरी तय कर श्रीनगर पहुंची थी। इसमें राहुल गांधी के साथ करीब 120 अन्य भारत यात्री भी शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी के अनुसार, लाखों भारतीयों ने पदयात्रा को अपना समर्थन और सहयोग दिया, जो बढ़ती आर्थिक असमानताओं, सामाजिक ध्रुवीकरण और बढ़ते राजनीतिक अधिनायकवाद से चिंतित थे। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि यात्रा का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा संवैधानिक सिद्धांतों पर हो रहे व्यवस्थित हमले को वैचारिक चुनौती देना था। उन्होंने जोर दिया कि यात्रा का लक्ष्य मन की बात कहना नहीं, बल्कि जनता की चिंता सुनना था।

मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना शुरू, पहले चरण में 11 हजार विद्यार्थियों को मिलेगी निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग

देहरादून (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री शिविर कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत प्रदेश के राजकीय एवं शासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों तथा राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के प्रथम चरण में 11 हजार विद्यार्थियों को इससे जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए मेहनत के साथ सही दिशा, बेहतर रणनीति, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और नियमित अभ्यास जरूरी है। विशेषकर पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवा आर्थिक कठिनाइयों और उचित संसाधनों के अभाव में गुणवत्तापूर्ण कोचिंग से वंचित रह जाते हैं। राज्य सरकार ने तय किया है कि संसाधनों या आर्थिक तंगी की कमी किसी प्रतिभाशाली युवा के सपनों की राह में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति है। सरकार का लक्ष्य युवाओं को केवल सरकारी नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बनाना है। स्वरोजगार, उद्यमिता, कौशल विकास, नव उद्यम और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में 34 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। राज्य में पारदर्शी भर्ती के लिए कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के विचार और सुझाव जानने के लिए ढाई लाख से अधिक विद्यार्थियों के साथ संवाद किया जा रहा है। युवाओं की आकांक्षाओं और रोजगार से जुड़े विषयों पर कार्य करने के लिए राज्य में अलग युवा आयोग बनाया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी मेहनत व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने योजना को पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में डिजिटल शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है और ई-ग्रंथालय के माध्यम से विद्यार्थियों को करीब 20 लाख पुस्तकों तक डिजिटल पहुंच उपलब्ध है। इस अवसर पर गणेश जोशी, आनंद बर्द्धन सहित अनेक अधिकारी और शिक्षाविद उपस्थित रहे।

हरिद्वार में खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण, दाल, दूध और शहद के नमूने जांच को भेजे

हरिद्वार (शिखर समाचार)। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने नगर निगम क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तराखंड विनय शंकर पाण्डेय और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर सहायक आयुक्त एवं अभिहित अधिकारी महिमानन्द जोशी के नेतृत्व में टीम ने औद्योगिक इकाइयों, ढाबों, रेस्टोरेंट और डेयरियों का आकस्मिक निरीक्षण किया। अभियान के दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैलाश चन्द्र टम्टा ने औद्योगिक क्षेत्र हरिद्वार के साथ खड़खड़ी और भीमगोड़ा क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए। खड़खड़ी स्थित एक ढाबा-रेस्टोरेंट से पकी हुई दाल का नमूना लिया गया। वहीं ग्राहक की शिकायत के आधार पर गुसाई गली, भीमगोड़ा स्थित एक डेयरी से खुले दूध का नमूना जांच के लिए संग्रहित किया गया।

टीम ने औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक पैकेजिंग फर्म का भी आकस्मिक निरीक्षण किया और वहां से शहद का नमूना लिया। सभी नमूनों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों को खाद्य सामग्री के सुरक्षित रखरखाव, साफ-सफाई और स्वच्छता मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी प्रकार का समझौता नहीं करने की हिदायत दी। विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के आकस्मिक निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कुंभ मेला-2027 के कार्यों की निगरानी अब जिला स्तरीय अधिकारी भी करेंगे

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 के निर्माण एवं विकास कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा कराने के लिए मेला प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया है। कुंभ क्षेत्र में शामिल जिलों के करीब डेढ़ दर्जन जिला स्तरीय अधिकारियों और उप जिलाधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कुंभ मेला कार्यों के अनुश्रवण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नामित अधिकारी नियमित स्थलीय निरीक्षण कर प्रत्येक सप्ताह कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता से संबंधित रिपोर्ट मेलाधिकारी सोनिका को उपलब्ध कराएंगे।

मेलाधिकारी सोनिका ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नामित अधिकारियों की बैठक लेते हुए निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी की जाए। किसी योजना के क्रियान्वयन में समस्या आने पर उसका तत्काल समाधान कराया जाए। जिन मामलों में उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप की आवश्यकता हो, उन्हें बिना देरी के संज्ञान में लाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुंभ मेला कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यों की गति के साथ गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने वर्षाकाल समाप्त होने के बाद शुरू होने वाले निर्माण कार्यों की तैयारी अभी से पूरी करने तथा गंगनहर बंदी के दौरान प्रस्तावित घाटों के निर्माण और मरम्मत कार्यों के लिए संबंधित विभागों को समय से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। फुटपाथ, सड़कों और चौराहों के निर्माण एवं सुधार कार्यों में स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उपयोगी सुझाव शामिल करने को भी कहा।

कुंभ क्षेत्र को 32 सेक्टरों में बांटा गया है, जिसमें हरिद्वार के साथ देहरादून, पौड़ी गढ़वाल और टिहरी गढ़वाल के क्षेत्र शामिल हैं। मेलाधिकारी ने घाटों, पुलों और अन्य बड़ी परियोजनाओं के साथ शिविर स्थलों की भूमि समतलीकरण, सौंदर्यीकरण और पौधारोपण कार्यों की भी नियमित समीक्षा के निर्देश दिए। अपेक्षित प्रगति नहीं होने वाले कार्यों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हिमालय दिवस पर मुख्यमंत्री ने की 'हिमालय विभूति सम्मान' की घोषणा, हिमालय परिषद को मिलेंगे एक करोड़

देहरादून (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून में हिमालय दिवस के अवसर पर आयोजित हिमालयो नाम नगाधिराजः कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने हिमालय परिषद में मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों के विस्तार के लिए एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय के संरक्षण, संवर्धन और सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और हिमालयी क्षेत्रों के लिए समर्पित विशिष्ट व्यक्तित्वों को हर वर्ष हिमालय दिवस पर हिमालय विभूति सम्मान प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े पांच पोस्टरों का विमोचन किया। इनमें सातवें देहरादून अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रीमियर लीग, सीमांत बाल विज्ञान कांग्रेस, ज्ञानोत्कर्ष और 21वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान कॉन्फ्रेंस के पोस्टर शामिल रहे। उन्होंने विज्ञान के लोकप्रियकरण पर केंद्रित पत्रिका विज्ञान संप्रेषण के पांचवें वार्षिकांक का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय केवल पर्वत श्रृंखला नहीं, बल्कि उत्तराखंड की पहचान, संस्कृति और अस्तित्व का आधार है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, ग्लेशियरों पर दबाव, पारंपरिक जल स्रोतों का संकट, अतिवृष्टि, भूस्खलन, वनाग्नि और अचानक आने वाली बाढ़ जैसी घटनाएं हिमालयी क्षेत्रों के सामने बड़ी चुनौती हैं। ऐसे में विकास कार्यों में विज्ञान, तकनीक, सुरक्षा और प्रकृति के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के विकास का रास्ता पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के संतुलन से होकर निकलेगा। ऐसा विकास होना चाहिए जिसमें सड़कें बनें और जंगल भी सुरक्षित रहें, रोजगार बढ़े और नदियां निर्मल रहें तथा पर्यटन का विस्तार हो लेकिन पहाड़ों की धारण क्षमता का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने जनभागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि हिमालय संरक्षण को जनआंदोलन बनाना होगा।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में गाजियाबाद नगर निगम ने हासिल की नौवीं रैंक

तीन साल में 18वीं से नौवीं रैंक पर पहुंचा निगम, उत्तर प्रदेश में मिला तीसरा स्थान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वायु गुणवत्ता सुधार के लिए गाजियाबाद नगर निगम की ओर से किए जा रहे प्रयासों का असर अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देने लगा है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में गाजियाबाद नगर निगम ने देशभर में नौवीं रैंक हासिल कर शीर्ष 10 में स्थान बनाया है। पिछले तीन वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो निगम की रैंकिंग लगातार बेहतर हुई है। वर्ष 2024 में गाजियाबाद को 18वीं, वर्ष 2025 में 12वीं और वर्ष 2026 में नौवीं रैंक मिली है। वहीं, उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद नगर निगम को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

धूल नियंत्रण और पानी के छिड़काव पर जोर

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर स्वास्थ्य, जलकल, उद्यान और निर्माण विभाग संयुक्त रूप से वायु गुणवत्ता सुधार के लिए कार्य कर रहे हैं। सड़कों को धूल मुक्त रखने के लिए नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है। निगम के पास 15 आधुनिक धुआंरोधी जल फव्वारा यंत्र और 32 जल छिड़काव वाहन हैं। इसके अलावा 12 सड़क सफाई मशीनों के माध्यम से सड़कों से धूल हटाने का कार्य किया जा रहा है।

लगभग 49 किलोमीटर क्षेत्र में कराया गया पक्का निर्माण

निर्माण विभाग द्वारा धूल उड़ने वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां अंतरलॉकिंग और सड़क निर्माण कराया गया है। सड़क के दोनों किनारों को पक्का करने की योजना के तहत 49 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में अंतरलॉकिंग का कार्य कराया जा चुका है। इससे खुले स्थानों से उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है।

सात लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

उद्यान विभाग भी वायु गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2024 में 1.44 लाख से अधिक तथा वर्ष 2025 में 1.50 लाख से अधिक पौधे लगाए गए। वर्ष 2026 में उपवन योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत निगम की खाली भूमि और सेना की भूमि पर लगभग सात लाख पौधे लगाने का कार्य किया जा रहा है।

आगे और बेहतर रैंक का लक्ष्य

नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में बेहतर स्थान प्राप्त करने के लिए निगम की टीमें लगातार धरातल पर काम करती रहेंगी। महापौर सुनीता दयाल ने निगम अधिकारियों और शहरवासियों को उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं। निगम का मानना है कि आधुनिक उपकरणों के उपयोग, व्यापक पौधारोपण और शहरवासियों के सहयोग से वायु गुणवत्ता में और सुधार लाया जा सकता है।

शहीद स्तंभ के सौंदर्यीकरण और स्मृति द्वार का होगा निर्माण, सांसद अरुण गोविल ने डीएम को सौंपा पत्र

हापुड़ (शिखर समाचार)। मेरठ-हापुड़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद अरुण गोविल ने सोमवार को अतरपुरा चौपला स्थित ऐतिहासिक शहीद स्तंभ पहुंचकर भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान देश की आजादी के लिए प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इससे पहले उन्होंने मेरठ रोड स्थित अतिथि गृह में जनता की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

शहीद स्थल के निरीक्षण के दौरान सांसद ने इसके भव्य सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार और स्मृति द्वार के निर्माण को लेकर जिलाधिकारी कविता मीना से वार्ता की तथा लिखित पत्र सौंपकर प्रशासनिक स्तर पर जल्द कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि हापुड़ का यह ऐतिहासिक शहीद स्तंभ आने वाली पीढ़ियों के लिए देशप्रेम और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा का केंद्र है। इसके विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार से हरसंभव वित्तीय एवं प्रशासनिक सहयोग दिलाया जाएगा।

सांसद प्रतिनिधि विनोद गुप्ता और अशोक बबली ने अरुण गोविल को शहीद स्थल के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अमर बलिदानियों की स्मृति में यहां शहीद स्मारक बनाया गया था। स्मारक पर अंग्रेजी शासन के दौरान चलाई गई गोलियों के निशान आज भी मौजूद हैं। प्रतिवर्ष 11 अगस्त को यहां दीप प्रज्वलित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है।

स्थानीय लोगों ने शहीद स्तंभ और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा के आसपास बढ़ते अतिक्रमण तथा गोल मार्केट क्षेत्र में जलभराव की समस्या भी सांसद के सामने रखी। सांसद ने समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष प्राथमिकता से उठाने और नाले-नालियों की सफाई तथा अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया। इस दौरान महेश तोमर, संजीव वर्मा सहित स्थानीय व्यापारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थानाभवन चीनी मिल पर 95.22 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य बकाया, डीएम ने जताई नाराजगी

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव ने सोमवार को अपने कार्यालय में जनपद की तीनों चीनी मिलों शामली, ऊन और थानाभवन के पेराई सत्र 2025-26 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान, आगामी पेराई सत्र 2026-27 की तैयारियों, मरम्मत एवं रखरखाव कार्य तथा चीनी मिलों में उपलब्ध चीनी के भंडार की समीक्षा की। बैठक में चीनी मिलों के प्रतिनिधियों ने भुगतान की स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। समीक्षा में सामने आया कि थानाभवन चीनी मिल ने 301.60 करोड़ रुपये के गन्ना मूल्य के सापेक्ष 206.38 करोड़ रुपये का भुगतान किया है और 95.22 करोड़ रुपये अभी बकाया हैं। वहीं शामली चीनी मिल ने 323.19 करोड़ रुपये तथा ऊन चीनी मिल ने 267.03 करोड़ रुपये के गन्ना मूल्य का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। थानाभवन चीनी मिल पर बकाया भुगतान को लेकर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई।

उन्होंने मिल प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि पेराई सत्र 2025-26 के अवशेष गन्ना मूल्य का शत-प्रतिशत भुगतान तत्काल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि भुगतान में लापरवाही पाए जाने पर चीनी मिल के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। आगामी पेराई सत्र 2026-27 की तैयारियों की समीक्षा में पाया गया कि थानाभवन चीनी मिल में 61 प्रतिशत, शामली में 60 प्रतिशत और ऊन में 56.75 प्रतिशत मरम्मत एवं रखरखाव कार्य पूरा हो चुका है। जिलाधिकारी ने तीनों मिलों को शासन के निर्देशों के अनुरूप हर हाल में 15 अक्टूबर 2026 तक पेराई सत्र शुरू करने की तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी आर.एस. कुशवाहा, गन्ना निरीक्षक एवं सहायक चीनी आयुक्त शामली सहित तीनों चीनी मिलों के अधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जीडीए की 10 संपत्तियों की नीलामी, 105.65 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल के दिशा निर्देशन में सोमवार को हिंदी भवन, लोहिया नगर में विभिन्न श्रेणी की संपत्तियों की नीलामी आयोजित की गई। नीलामी में कुल 10 संपत्तियों के लिए सफल बोलियां प्राप्त हुईं, जिनसे प्राधिकरण को लगभग 105.65 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। संपत्तियों की सफल नीलामी को गाजियाबाद में बढ़ती निवेश गतिविधियों और आवासीय, व्यावसायिक तथा संस्थागत क्षेत्रों की मांग के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रमुख योजनाओं की संपत्तियां नीलाम

नीलामी में इंदिरापुरम विस्तार योजना का एक आवासीय भूखंड, इंदिरापुरम ज्ञानखंड-3 में एक दुकान और एक आवासीय भूखंड तथा ज्ञानखंड-2 में एक आवासीय भूखंड शामिल रहा। इसके अलावा कोयल एनक्लेव में समूह आवास तथा प्राथमिक विद्यालय के लिए एक-एक भूखंड, वैशाली सेक्टर-3 में सामुदायिक केंद्र का भूखंड, उत्तर प्रदेश सीमा चिकंबरपुर योजना में दो दुकान भूखंड तथा ब्रज विहार योजना में निर्मित सामुदायिक केंद्र की नीलामी की गई।

पारदर्शी प्रक्रिया से बेहतर मूल्य प्राप्त करने का प्रयास

प्राधिकरण के मीडिया प्रभारी व सहायक अभियंता रूद्रेश कुमार शुक्ला ने बताया कि नीलामी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से पूरी की गई। विभिन्न संपत्तियों के लिए प्राप्त प्रतिस्पर्धी बोलियों से यह संकेत मिला कि गाजियाबाद की प्रमुख योजनाओं में निवेशकों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

विकास कार्यों को मिलेगी आर्थिक मजबूती

नीलामी से प्राप्त होने वाला लगभग 105.65 करोड़ रुपये का राजस्व शहर के सुनियोजित विकास को गति देने में उपयोगी होगा। इससे सड़क, आधारभूत ढांचे, नागरिक सुविधाओं, आवासीय योजनाओं और अन्य विकास कार्यों को वित्तीय मजबूती मिलने की उम्मीद है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा संपत्तियों के पारदर्शी निस्तारण के साथ शहर में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार और संतुलित नगरीय विकास पर लगातार काम किया जा रहा है। सफल नीलामी को गाजियाबाद के बढ़ते निवेश आकर्षण का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

गंगा बैराज श्मशान घाट का 40 लाख रुपये से होगा जीर्णोद्धार, एडीएम ने किया निरीक्षण

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा गंगा बैराज स्थित श्मशान घाट का करीब 40 लाख रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जाएगा। प्रस्तावित कार्यों के तहत अंतिम संस्कार के लिए बनाए गए चार शेडों का जीर्णोद्धार एवं क्षतिग्रस्त शेडों का पुनर्निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों के बैठने की बेहतर व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और शौचालय जैसी सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा। सोमवार सुबह अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित ने गंगा बैराज स्थित श्मशान घाट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अंतिम संस्कार के लिए बनाए गए चारों शेडों की स्थिति का जायजा लिया और प्रस्तावित जीर्णोद्धार कार्यों की जानकारी ली। इसके साथ ही शौचालय और पेयजल व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने तथा स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को बेहतर रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका के अवर अभियंता सिविल यशवंत कुमार मौजूद रहे। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने बताया कि 40 लाख रुपये की धनराशि से श्मशान घाट में आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गंगा बैराज के सौंदर्यीकरण पर भी पालिका लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में पिछले दिनों यहां विशाल तिरंगा स्थापित किया गया था, जो क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बिजनौर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, 12 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं न्यायाधीश संजय कुमार सप्तम के मार्गदर्शन में सोमवार को विकास खंड मोहम्मदपुर देवमल के ग्राम इटावा स्थित पंचायत घर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव स्वाति चन्द्रा ने की, जबकि संचालन तहसीलदार आशीष सक्सेना ने किया। शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों और विधिक सेवाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

सचिव स्वाति चन्द्रा ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ह्यआशा 2025 योजना के अंतर्गत संचालित ह्यबाल विवाह मुक्त भारत अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि भारत में विवाह की कानूनी आयु महिलाओं के लिए 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष निर्धारित है। निर्धारित आयु से पहले विवाह कराना कानूनन अपराध है। बाल विवाह के दोषी व्यक्ति को दो वर्ष तक के कठोर कारावास और एक लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। उन्होंने ग्रामीणों से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोकने और इसके प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील की।

उन्होंने बताया कि आगामी 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में पक्षकार आपसी सुलह और समझौते के आधार पर अपने मामलों का सरलता से निस्तारण करा सकते हैं। चेक बाउंस, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना दावा, बिजली-पानी के बिल, राजस्व, दीवानी, मध्यस्थता तथा मुकदमे से पहले के वैवाहिक मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कराया जा सकता है। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी राजीव सिंह, पंचायत सचिव विशाल अग्रवाल, ग्राम प्रधान सपन, पंचायत सहायक दिव्या, पराविधिक स्वयंसेवक संजीव कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मेपल्स एकेडमी में महिला सशक्तिकरण और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी में महिला सशक्तिकरण, सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपराध निरीक्षक नरेश सिंह अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को सुरक्षित रहने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने और किसी भी विषम परिस्थिति में आत्मविश्वास के साथ उसका सामना करने के लिए प्रेरित किया गया। अपराध निरीक्षक नरेश सिंह ने छात्राओं को महिला सशक्तिकरण एवं मिशन शक्ति के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें किसी भी विपरीत परिस्थिति में सजग, आत्मविश्वासी और साहसी बने रहना चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा के अंतर्गत यातायात नियमों का पालन करने तथा वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए गए। उन्होंने सोशल मीडिया का सुरक्षित और जिम्मेदारी से उपयोग करने तथा किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी। कार्यशाला के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा तथा महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधक राजीव गर्ग ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को सुरक्षित, सजग, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा, कपिल मित्तल, उपनिरीक्षक सुमित सिंह, किरण राठी, छाया और तनु सहित विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ बिजनौर पुलिस का बड़ा अभियान, धार्मिक स्थलों से हटाए 2509 लाउडस्पीकर

बिजनौर (शिखर समाचार)। ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बिजनौर पुलिस ने जिलेभर में तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान मंदिरों, मस्जिदों और गुरुद्वारों में लाउडस्पीकरों की जांच की गई। जांच के दौरान निर्धारित मानकों के विपरीत तेज आवाज में संचालित किए जा रहे लाउडस्पीकरों को हटवाया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियान के दौरान जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों से कुल 2509 लाउडस्पीकर हटवाए गए। इनमें मस्जिदों से 1323, मंदिरों से 1116 और गुरुद्वारों से 70 लाउडस्पीकर शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर ध्वनि की निर्धारित सीमा का पालन सुनिश्चित करने के साथ आम नागरिकों को ध्वनि प्रदूषण से होने वाली परेशानी से राहत दिलाना है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वाले लाउडस्पीकरों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि धार्मिक स्थलों से हटाए गए सभी लाउडस्पीकरों का उपयोग सकारात्मक कार्यों में किया जाएगा। इन्हें राष्ट्रीय पर्वों के आयोजन तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सरकारी विद्यालयों को सौंपने की योजना है। इससे हटाए गए लाउडस्पीकरों का उपयोग समाजहित में किया जा सकेगा। इसके अलावा पुलिस ने सड़कों पर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ भी अभियान चलाया। विशेष रूप से बाइकों में पटाखे जैसी तेज आवाज निकालने वाले अवैध साइलेंसरों की जांच की गई और ऐसे वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस के इस अभियान से ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के साथ यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

खतौली में पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न, 40 बच्चों को किया गया सम्मानित

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। सेवा ट्रस्ट खतौली के तत्वावधान में स्थानीय एकता जूनियर हाई स्कूल में आयोजित सीरत-ए-मुस्तफा प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों और नगर के गणमान्य लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुफ्ती अहमद बैग नदवी, रोशन अब्बास जैदी और सलमान सईद अलीग उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों की मेहनत और प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कुल 40 बच्चों को पुरस्कार एवं इनाम देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ सीरत-ए-मुस्तफा से मिलने वाली शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने अच्छे आचरण और नैतिक मूल्यों को जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में धार्मिक और नैतिक शिक्षा के साथ आत्मविश्वास, ज्ञान तथा सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे कार्यक्रम बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। आदिल मोहसिन के संचालन में हुए समारोह में अमीर अंजुम, प्रोफेसर नसीर अहमद, ताहिर हसन, मास्टर मोहसिन, अब्दुल मालिक, मुमताज खान, मुफ्ती मुजीब, कारी शारिक और अहमद रजा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने भविष्य में भी बच्चों की शैक्षिक, नैतिक और प्रतिभा विकास से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

अंकित बालियान हत्याकांड के बाद फिर चर्चा में आया गीत, गायक राहुल पुट्ठी ने गैंग से संबंध से किया इनकार

शामली (शिखर समाचार)। हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड के बाद चर्चित गीत ह्यभरी कोर्ट में गोली मारेंगे मेरी जानह्ण एक बार फिर चर्चा में आ गया है। गीत के लेखक और गायक हांसी निवासी राहुल पुट्ठी ने कथित धमकी भरी सामाजिक माध्यम की पोस्ट सामने आने के बाद वीडियो जारी कर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका किसी भी आपराधिक गिरोह या गैंग से कोई संबंध नहीं है। कथित धमकी भरी पोस्ट के बाद उनका परिवार भी कई दिनों से भय के माहौल में है। राहुल पुट्ठी ने वीडियो में कहा कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा में हाल में हुई आपराधिक घटनाओं तथा सामाजिक माध्यम पर सामने आ रही कथित धमकी भरी पोस्ट से उनकी चिंता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कलाकारों का उद्देश्य गीतों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करना होता है। किसी गैंग, अपराधी या व्यक्ति को बढ़ावा देना उनका मकसद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनके किसी गीत से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह इसके लिए माफी मांगते हैं। जानकारी के अनुसार ह्यभरी कोर्ट में गोली मारेंगे मेरी जानह्ण गीत राहुल पुट्ठी ने लिखा और गाया था, जबकि शामली के बनतीखेड़ा गांव निवासी अंकित बालियान ने इसमें अभिनय किया था। अंकित की हत्या के बाद गीत दोबारा सुर्खियों में आ गया। हत्याकांड के कारणों को लेकर गीत से जुड़े विवाद की भूमिका की चर्चा भी सामने आई है। हालांकि, इसकी वास्तविक स्थिति पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। अंकित हत्याकांड के बाद कथित रूप से वांछित शूटरों के नाम से सामाजिक माध्यम पर धमकी भरी पोस्ट प्रसारित होने की बात सामने आई है। इन पोस्ट में दो और हत्याओं की धमकी दिए जाने का दावा किया जा रहा है। राहुल पुट्ठी ने कहा कि वह केवल गीत लिखने और गाने का काम करते हैं तथा उनका किसी आपराधिक गिरोह से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, पत्नी घायल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर के खुर्जा रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी घायल हो गई। उपचार के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

गांव बनवारीवास निवासी नारायण शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका 35 वर्षीय पुत्र अमित शनिवार को अपनी पत्नी ब्रजेश रानी के साथ कस्बे के खुर्जा रोड स्थित एक निजी अस्पताल गया था। वहां से दोनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान खुर्जा रोड पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अमित और उसकी पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को जेवर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद अमित को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसकी पत्नी ब्रजेश रानी का उपचार किया गया। हालत में सुधार होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही वाहन चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

बागपत में भीषण सड़क हादसा 13 लोगों की जान गई : घटनास्थल पर पहुंचे एडीजी भानु भास्कर और डीआईजी कलानिधि नैथानी, घायलों का जाना हाल

बागपत (शिखर समाचार)। थाना खेकड़ा क्षेत्र में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे के बाद सोमवार को अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन भानु भास्कर और पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों और राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी ली तथा अस्पताल पहुंचकर भर्ती घायलों का हाल जाना। अधिकारियों ने चिकित्सकों से घायलों के उपचार की स्थिति की जानकारी लेते हुए बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे से एक बजे के बीच खेकड़ा थाना क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ। राजस्थान के गोगामेड़ी स्थित बागड़ धाम से दर्शन कर बदायूं लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा पिकअप वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार वाहन में करीब 32 श्रद्धालु सवार थे। प्रारंभिक जानकारी में बताया गया कि वाहन डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गया। कुछ रिपोर्टों में पीछे से तेज रफ्तार कैंटर की टक्कर की बात भी सामने आई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। सूचना मिलते ही खेकड़ा पुलिस, डायल-112 की पीआरवी और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को खेकड़ा और बागपत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्रों में भेजा गया। हादसे में मृतकों की संख्या को लेकर दिन में अलग-अलग आंकड़े सामने आए, लेकिन शाम तक उपलब्ध रिपोर्टों में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 होने की जानकारी दी गई। पुलिस और प्रशासन मृतकों की पहचान तथा उनके परिजनों से संपर्क करने में जुटे हैं।

शहर के 90 अत्याधुनिक कूड़ा घरों की जांच शुरू

कानपुर, एजेंसी। एक ही वार्ड में एक साथ नौ अत्याधुनिक कूड़ा घर बनाए जाने का खुलासा होने के बाद पूरे शहर के 90 अत्याधुनिक कूड़ा घर जांच के दायरे में आ गए हैं। नगर आयुक्त ने सभी छह जोन से इनकी जांच रिपोर्ट मांगी है। वार्ड-23, कल्याणपुर आवास विकास के पार्षद रामनारायण ने शिकायत की थी कि कानपुर की फर्म मेसर्स श्रीराम इन्फ्राटेक कंपनी ने उनके वार्ड में एक साथ नौ अत्याधुनिक कूड़ा घर का निर्माण कराया है। इनमें से सिर्फ चार ही चल रहे।

नगर निगम में भ्रष्टाचार की परतें धीरे-धीरे खुलती जा रही हैं। अब अत्याधुनिक कूड़ा घरों का मामला सामने आया है। शहर में कूड़े के निस्तारण के लिए स्मार्ट सिटी के तहत हर वार्ड में सॉलिड वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन (अत्याधुनिक कूड़ा घर) बनाए गए हैं। इनकी संख्या करीब 90 है। पार्षद शिकायत कर रहे थे कि उनके वार्ड में यह अत्याधुनिक कूड़ा घर तो बने हैं लेकिन संचालित नहीं हो रहा। इससे सड़क तक कूड़ा फैला रहता। इसके मद्देनजर अब इन कूड़ा घरों की जांच कराने का निर्णय लिया गया है। इसमें यह देखा जा रहा है कि कहां-कहां यह अत्याधुनिक कूड़ा घर बने हैं। यह संचालित हो रहे हैं या नहीं और कूड़ा निस्तारण हो रहा है या नहीं। नियमतः हर वार्ड में कम से कम एक अत्याधुनिक कूड़ा घर होना चाहिए। आबादी के हिसाब से इनकी संख्या दो से चार तक भी हो सकती है लेकिन अभी भी शहर के 110 में से कई वार्ड ऐसे हैं जहां इनका निर्माण ही नहीं कराया गया है। कई वार्डों में बने भी हैं तो संचालित नहीं हो रहे।

संक्षिप्त समाचार

फिजियोथेरेपी में एआई से मरीजों का इलाज होगा और आसान

लखनऊ , एजेंसी। फिजियोथेरेपी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मरीजों के इलाज को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है। इससे मरीज की चाल, शरीर की मुद्रा और गतिविधियों का आकलन कर जरूरत के अनुसार व्यायाम व उपचार की योजना तैयार की जा सकेगी। बीमारी या चोट के बाद सामान्य गतिविधियों में लौटने में भी मदद मिलेगी। हालांकि, एआई फिजियोथेरेपिस्ट का विकल्प नहीं, बल्कि उपचार में सहायक उपकरण होगा। यह जानकारी लोहिया संस्थान के रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अजय वर्मा ने दी।

रविवार को संस्थान के प्रेक्षागृह में दो दिवसीय एएसपीटी कॉनक्लेव-2026 का समापन हुआ। इसमें देशभर से फिजियोथेरेपिस्ट, शिक्षक, शोधकर्ता और विद्यार्थी शामिल हुए। विशेषज्ञों ने एआई आधारित मूवमेंट एनालिसिस, गैट-पोश्चर असेसमेंट, रोबोटिक तकनीक, लेजर व इलेक्ट्रोथेरेपी पर चर्चा की। केजीएमयू की टीम ने पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन का प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों ने मरीजों के डेटा की गोपनीयता और उपचार में जवाबदेही को भी जरूरी बताया। डॉ. सूर्यकांत, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. शिवम श्रीवास्तव, डॉ. सुबिया हसन और डॉ. मोनिका अवस्थी समेत अन्य विशेषज्ञ मौजूद रहे।

डॉ. टीके लहरी मामला

डॉ. लहरी से मिलने पहुंचा तो पता चला कोई अप्रिय घटना हुई है

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू में भर्ती पद्मश्री डॉ. टी.के. लहरी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने पहुंचे राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल ने इलाज के दौरान हुई घटना को लेकर चिंता जताई है। राज्यमंत्री ने रविवार की देर रात को अपने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से मुलाकात और इसके बाद दिए गए निर्देशों की जानकारी साझा की। राज्यमंत्री ने पोस्ट में बताया कि डॉ. लहरी की आंखों में कुछ लालिमा दिखाई दी। उन्होंने इस बारे में डॉ. लहरी से पूछा तो उन्होंने इशारों में बताया कि आंख में कोई परेशानी नहीं है और वह स्वस्थ हैं। हालांकि, राज्यमंत्री ने कहा कि उन्हें डॉ. लहरी का इशारा ठीक नहीं लगा। इसी दौरान उन्हें इलाज के दौरान किसी अप्रिय घटना के होने की जानकारी मिली। राज्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने बीएचयू के डायरेक्टर प्रो. एसएन शंखवार, चीफ प्रॉक्टर और एसीपी भेलूपुर को सख्त निर्देश दिए हैं कि घटना की जांच के लिए कमेटी बनाई जाए। कमेटी पूरे मामले की जांच कर एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

जरूरतमंदों की मददगार आराध्या को उदयपुर में मिला सम्मान

कानपुर, एजेंसी। महज छह साल की उम्र में कोरोना संक्रमण से पिता को खोने वाली आराध्या त्रिपाठी जरूरतमंदों का सहारा बनी हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी मदद के वीडियो देखने के बाद नारायण सेवा संस्थान उदयपुर ने उन्हें दो सितंबर को ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया। सोशल क्रिएटर आराध्या वहां मुख्य अतिथि के रूप में भी आमंत्रित की गई थीं। आराध्या ऑक्सफोर्ड स्कूल श्याम नगर में कक्षा पांच की छात्रा है। मां आरती त्रिपाठी कहती हैं कि कोरोना में आराध्या के पिता की मौत हुई थी। उस समय घर की स्थिति ठीक नहीं थी। कई लोगों से मदद मांगी, लेकिन कोई भी आगे नहीं आया। आराध्या को उस दौरान का संघर्ष याद रहा। बेटी जैसे-जैसे बड़ी हुई, उसमें जरूरतमंदों की मदद करने का जज्बा बढ़ता गया। जब भी किसी रिक्शा चालक, फेरी वाले या मंदिर में बैठे जरूरतमंद को देखती तो उन्हें अपने पास से कुछ न कुछ दान कर देती। उसके मामा मनीष चतुर्वेदी ने पूरा सहयोग किया। परिस्थितियां कितनी भी विपरीत रही हो बेटी ने हिम्मत बनाए रखी और जरूरतमंदों की मदद की।

मिक्सी-कूलर से झनझनाहट

ईयरबड्स से सुनने की क्षमता पर असर

आगरा, एजेंसी। घर में बढ़ता शोरगुल भी लोगों के कानों को बीमार कर रहा है। मिक्सी, कूलर, टीवी-मोबाइल की तेज आवाज से कानों में झनझनाहट, खुजली हो रही है। चिड़चिड़ापन भी देखने मिल रहा है। इससे बच्चे और महिलाएं ज्यादा प्रभावित हो रही हैं। फतेहाबाद रोड स्थित सिजीकॉन-2026 में डॉक्टरों ने व्याख्यान में इसकी जानकारी दी।

प्रयागराज के डॉ. लक्ष्मीशंकर ओझा ने बताया कि घर में औसतन 50 डेसिबल से कम आवाज रहनी चाहिए। अब टीवी, मोबाइल, कूलर, मिक्सी-ग्राइंडर समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आवाज से 60-80 डेसिबल तक आवाज रह रही है। अगर घर सड़क किनारे है तो ये परेशानी और बढ़ जाती है। इससे लंबे समय तक कानों का गुम रहना, झनझनाहट, दोहरी आवाज आना, झनझनाहट, सांय-सांय की आवाज की परेशानी होने लगती है। तेज बोलने, चिड़चिड़ेपन, नींद कम आने की भी दिक्कत बन रही है। सैफई मेडिकल कॉलेज के डॉ. संजीव यादव ने बताया कि बच्चे और युवाओं में तेज आवाज में संगीत सुनना, ईयरबड्स-हेडफोन लगाने का चलन बढ़ा है। इससे कान की सुनने वाली कोशिकाएं प्रभावित होती हैं।

इनको नुकसान पहुंचने से ये परेशानी बन रही हैं। राजस्थान यूनिवर्सिटी हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि 1000 में से 3-5 बच्चे जन्मजात मूक-बधिर पैदा हो रहे हैं। इनके लिए कॉक्लियर इम्प्लांट वरदान साबित हो रहा है। ये महंगी सर्जरी है, ऐसे में राज्य और केंद्र सरकार की योजना के तहत ये निशुल्क हो रहे हैं।

आयोजन अध्यक्ष डॉ. राजीव पचौरी, सचिव मीनाक्षी बढ़ेरा और डॉ. गौरव खंडेलवाल ने बताया कि मूक-बधिर बच्चे होने पर साल भर की उम्र तक सर्जरी बेहद कारगर है। इससे सुनने और बोलने की क्षमता शतप्रतिशत होती है। 3-5 साल तक की उम्र में भी कॉक्लियर इम्प्लांट करा सकते हैं।

रम्पुटा चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी और पर्यवेक्षक घोषित

अलीगढ़ , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (रम्पुटा) के चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 19 सितंबर को चुनाव होगा। चुनाव को संपन्न कराने के लिए चुनाव अधिकारी, पर्यवेक्षक और चुनाव संचालन समिति का गठन कर दिया गया है।

चुनाव अधिकारी प्रो. महावीर सिंह छोकर प्राचार्य पीसी बागला महाविद्यालय हाथरस, प्रो. लकी गुप्ता प्राचार्या श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़ और प्रो. मुकेश भारद्वाज प्राचार्य धर्म समाज महाविद्यालय अलीगढ़ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। चुनाव की निगरानी के लिए फुपुक्टा अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान और महामंत्री प्रो. प्रदीप कुमार सिंह को चुनाव पर्यवेक्षक बनाया गया है।

अनुभवी शिक्षकों की चुनाव संचालन समिति

चुनाव के सुचारू संचालन के लिए आगरा विवि शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रक्षपाल सिंह को चुनाव संचालन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति के सदस्य पूर्व प्राचार्य प्रो. पंकज वार्ष्णेय, डॉ. आरके अग्रवाल, डॉ. डीके गौड़, डॉ. पीके शर्मा, प्रो. ब्रजरानी, डॉ. भरत सिंह, डॉ. बीपी पांडेय होंगे। रम्पुटा अध्यक्ष प्रो. हरीश शर्मा को चुनाव संचालन समिति का सचिव बनाया गया है। समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. निशान चौहान होंगे।

आरएमपीयू से संबद्ध एटा, अलीगढ़, हाथरस और एटा के कुल 12 अनुदानित महाविद्यालय हैं। इनमें करीब 400 शिक्षक मतदाता हैं।

500 रुपये रोज पर वेटर बना राष्ट्रीय खिलाड़ी

मुंबई में ऐसे बिताया एक महीना; किशोर न्यायालय में होगा पेश

आगरा, एजेंसी। आगरा के एकलव्य स्टेडियम के हॉस्टल में निरीक्षण के दौरान सिगरेट का पैकेट मिलने पर आरएसओ और परिजन की डांट के डर से भागे राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी वंश को पुलिस सोमवार को किशोर बोर्ड न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेगी। दर्ज गुमशुदगी के मामले में न्यायालय के समक्ष दिए बयान के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। शनिवार रात उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) भेजा गया था। पुलिस खिलाड़ी को मुंबई के माटुंगा क्षेत्र की एक मलिन बस्ती से खोजकर लाई है। शाहगंज के नगला छउआ निवासी वंश टेबल टेनिस के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं। वह एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम के हॉस्टल में रह रहे थे। 31 जुलाई की सुबह पांच बजे के करीब वह हॉस्टल से कहीं चले गए थे। पिता शैलेष ने आरएसओ, कोच और वार्डन समेत अन्य पर बेटे को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने अपनी तरफ से गुमशुदगी दर्ज की थी।

सीसीटीवी में वंश अकेले कैंट स्टेशन जाते दिखे थे। वहां से हरिद्वार की ट्रेन में बैठने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद पुलिस को उनका पता नहीं चल रहा था। पुलिस एक माह से उनकी तलाश कर रही थी। सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग से

उसके मुंबई की ओर जाने का अंदेशा हुआ। पुलिस जांच कर रही थी कि एक परिचित को वंश ने इंस्टाग्राम पर संदेश भेज दिया।

डीसीपी सिटी ने बताया कि सदर थाने से दरोगा रिक्की पौनिया को टीम के साथ मुंबई भेजा गया। टीम ने माटुंगा क्षेत्र के लेबर चौक के निकट मलिन बस्ती से वंश को खोज निकाला। वंश वहां एक ठेकेदार के पास मजदूरी कर रहा था। ठेकेदार उसे 500 रुपये रोजाना की मजदूरी पर वेटर, कैटरिंग हेल्पर समेत अन्य काम करवाता था। मजदूरी में से 200 रुपये ठेकेदार को देने होते थे। खोली में रहने के अन्य साथियों को 50 रुपये और खाने के लिए 50 रुपये देने पड़ते थे। पूछताछ में वंश ने बताया कि खोली में साथ रहने वाले युवक के मोबाइल से वह इंस्टाग्राम पर परिचित की प्रोफाइल देख रहा था। उसे सारी जानकारी मिल रही थी पर उसे डर था कि वापस आने पर परिजन उसे डांटेंगे।

पिता बोले-बुरा सपना समझकर भूल जा बेटा

वंश के पिता शैलेष सिंह ने बताया कि बेटा इतने दिनों में काफी परेशान रहा था। उससे मिलने पर उन्होंने उसे कुछ नहीं कहा। गले लगकर रोने के बाद उसे समझाया कि वह सभी बातों को एक बुरा सपना समझकर भूल जा। अपने कॅरिअर पर ध्यान दे और देश का नाम अपने खेल के जरिए रौशन करे। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि लापता खिलाड़ी को मुंबई से तलाशकर लाया गया है। उसे सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सोमवार को किशोर बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। न्यायालय के समक्ष दिए बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद की कंपनी दिलाएगी जलभराव से निजात

- इंटीग्रेटेड अर्बन स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाने की तैयारी शुरू

कानपुर, एजेंसी। बारिश में जलभराव से शहरवासी परेशान हैं। इससे निजात दिलाने के लिए ड्रेनेज सिस्टम में सुधार किया जाएगा ताकि पानी की निकासी हो सके। इसके लिए जल निगम ने इंटीग्रेटेड अर्बन स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाने की तैयारी शुरू की गई है। हैदराबाद की कंपनी मेसर्स एसीपीई इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडिया को मास्टर प्लान बनाने के लिए चयनित किया गया है। इस पूरे प्रोजेक्ट में 10 करोड़ खर्च होंगे। नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (इसरो) की मदद से नगर निगम पहले ही शहर में नालों-नालियों की मैपिंग करा चुका है। शहर में वर्तमान में 28 संवेदनशील ऐसे क्षेत्र हैं जहां भीषण जलभराव होता है। इस बार बारिश में जलभराव की समस्या वाले 116 स्थानों को वार्ड वार चिह्नित किया गया है। जल निगम की सीएडंडीएस इकाई के निर्देशन में कंपनी ने मास्टर प्लान बनाने के लिए सर्वे भी शुरू कर दिया है। कंपनी डिजाइन के साथ प्लानिंग और प्रोजेक्ट संबंधी परामर्श भी देगी। तय हुआ है कि सीवर और बारिश के पानी की निकासी के लिए अलग-अलग पाइपलाइन होनी चाहिए।

छोड़ देता, साथ न रखता...

जान क्यों ले ली

लखनऊ , एजेंसी। हेड कांस्टेबल हिमांशु श्रीवास्तव ने जिस बेरहमी से पत्नी रश्मि की हत्या की उसका शव देखकर मायके वाले सिहर उठे। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद पारा निवासी रश्मि के भाई सौरभ ने रोते हुए कहा कि बहन को साथ न रखता लेकिन ऐसे मारना नहीं चाहिए था। सौरभ ने आरोप लगाया कि शादी के करीब डेढ़ साल बाद से ही हिमांशु और उसके परिजन रश्मि को आए दिन प्रताड़ित करते थे। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया था कि हिमांशु ने रश्मि से तलाक के लिए कोर्ट में अर्जी तक दाखिल की थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था।

भाई का आरोप है कि रश्मि को पति हिमांशु का शराब पीना पसंद नहीं था। वह हिमांशु को शराब पीने से मना करती थी। इसी बात पर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। तलाक के मामले में समझौते के कुछ दिन बाद हिमांशु ठीक रहा लेकिन फिर रश्मि से मारपीट करने लगा। उस समय रश्मि के पिता शेषमणि श्रीवास्तव जौनपुर में लेखपाल थे। रश्मि ने जौनपुर में हिमांशु के खिलाफ घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में भी बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। सौरभ का आरोप है कि हिमांशु का एक भाई उसे रश्मि को छोड़ने के लिए उकसाता था। एसीपी महानगर ने बताया कि दंपती के बीच चल रहे

विवाद के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

अब मासूम तन्मय का क्या होगा: पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद रश्मि के मायके वालों ने बताया कि बेटा तन्मय बड़ी मन्नतों के बाद हुआ था। अब मां की मौत हो गई और पिता को जेल जाना पड़ रहा है। ऐसे में मासूम तन्मय का क्या होगा। फिलहाल पुलिस ने तन्मय को रश्मि के मायके वालों के सुपुर्द कर दिया है।

सीसीटीवी कैमरे में इमामदस्ता हाथ में लिए दिखा आरोपी: पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी हेड कांस्टेबल हिमांशु को इमामदस्ता हाथ में लिए देखा गया है। हालांकि, फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एसीपी महानगर अंकित कुमार का कहना है कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। आरोपी हिमांशु के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही है।

हिमांशु को बर्खास्त करने की मांग: रश्मि के मायके वालों ने आरोपी हिमांशु को पुलिस विभाग से बर्खास्त करने की मांग की है।

महिलाओं के लिए लगेगा रोजगार मेला

चार कंपनियां देंगी नौकरियां

लखनऊ, एजेंसी। छात्राओं व युवतियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए राजधानी में 11 सितंबर को एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज के परिसर में सीधा साक्षात्कार और भर्ती प्रक्रिया होगी। इसमें चार प्रमुख कंपनियां हीरो मोटोकॉर्प, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्मास एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड प्रतिभागियों का चयन करेंगी। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मेले का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

यह मेला उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार प्रदान करेगा। आईटीआई और अन्य शैक्षिक योग्यता वाली इच्छुक अभ्यर्थी विभिन्न

प्लेसमेंट अधिकारी एमए खां ने बताया कि हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड हरिद्वार प्लांट के लिए 50 छात्राओं की भर्ती करेगा। इसके लिए 10वीं पास और फिटर, वेल्डर,

उत्तीर्ण छात्राएं पात्र होंगी। चयनित छात्राओं को 26,450 रुपये का कुल पैकेज और लगभग 18,487 रुपये प्रतिमाह शुद्ध वेतन मिलेगा। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड सुमेरपुर प्लांट में

चयन करेगा। उन्हें 14,000 रुपये प्रतिमाह शुद्ध वेतन दिया जाएगा।

महिला टेलरों की भी होगी भर्ती: एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस लखनऊ के लिए वित्तीय सलाहकार पद पर सीधा साक्षात्कार आयोजित करेगा।

12वीं पास या स्नातक महिलाएं इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। उन्हें 20,000 रुपये प्रतिमाह तक की आय का अवसर मिलेगा। अल्मास एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जानकीपुरम विस्तार में महिला टेलर के पदों पर

आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेज:

इच्छुक और योग्य अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक और तकनीकी योग्यता प्रमाणपत्र साथ लाने होंगे। पहचान संबंधी दस्तावेज और अन्य आवश्यक प्रमाणपत्र भी लाने होंगे। बायोडाटा भी साथ लाना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को 11 सितंबर को सुबह 10 बजे राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ के विवेकानंद हॉल में उपस्थित होना होगा।

प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर में डीएम का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं मिलीं सुदृढ़

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने सोमवार को ब्लॉक दादरी के प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्मार्ट क्लास, खेलकूद, मध्याह्न भोजन, स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलने पर उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के कार्यों की सराहना की तथा व्यवस्थाओं को इसी प्रकार सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और शैक्षिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से गिनती तथा 15 से 20 तक के पहाड़े सुने, जिन्हें विद्यार्थियों ने आसानी से सुनाया। विभिन्न कक्षाओं में जाकर उन्होंने पाठ्यक्रम एवं शिक्षण गतिविधियों से जुड़े प्रश्न पूछे और शिक्षकों द्वारा कराए जा रहे शिक्षण कार्य की गुणवत्ता परखी, जो संतोषजनक मिली। उन्होंने विद्यार्थियों की

उपस्थिति में और वृद्धि करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने स्मार्ट क्लास और डिजिटल शिक्षण व्यवस्था का अवलोकन करते हुए स्क्रीन का विषयानुसार प्रभावी उपयोग करने को कहा। साथ ही व्हाइट बोर्ड सहित पारंपरिक और आधुनिक शिक्षण विधियों के संतुलित उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने खेल गतिविधियों को बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक बताते हुए नियमित खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां जारी रखने के निर्देश दिए। विद्यालय की कक्षाओं, अलमारियों में रखी शैक्षिक सामग्री, शौचालय, पेयजल, प्रकाश, हवा की व्यवस्था और परिसर की स्वच्छता का भी निरीक्षण किया गया। सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित मिलने पर जिलाधिकारी ने संतोष जताया। उन्होंने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर भी नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में डीएम ने सुनीं जनसमस्याएं, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनीं। बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। जनसुनवाई के दौरान भूमि कब्जे, राजस्व विवाद, अवैध अतिक्रमण, सार्वजनिक सुविधाओं, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को मामलों का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की

समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायत के निस्तारण की औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण का स्थलीय एवं तथ्यात्मक परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई से अवगत कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। विशेष रूप से राजस्व एवं भूमि संबंधी मामलों में अभिलेखों और मौके की स्थिति का निष्पक्ष परीक्षण कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से प्रतिक्रिया लेने और स्वयं भी मामलों की निगरानी करने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

जनसुनवाई के दौरान एडीएम सिटी विकास कश्यप, एडीएम ई ज्योति मौर्या सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पापड़ नगरी की पहचान पर जाम का ग्रहण, हर सोमवार बेहाल होती है हापुड़ की जनता

हापुड़ (शिखर समाचार)। देश-विदेश में कभी पापड़ नगरी के नाम से पहचान बनाने वाला हापुड़ आज हर सोमवार लगने वाले भीषण जाम के कारण जाम नगरी के रूप में बदनाम होता जा रहा है। सुबह से शाम तक तहसील चौराहा, मेरठ तिराहा समेत शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। जाम के कारण राहगीरों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए बाईपास के बावजूद शहर की यातायात व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है।

करीब चार दशक पूर्व हापुड़ के पापड़ की देश-विदेश में खास पहचान थी। इसी के चलते नगर को पापड़ नगरी के नाम से प्रसिद्धि मिली, लेकिन बदलते समय के साथ यह पहचान कमजोर होती जा रही है। सोमवार को लगने वाला साप्ताहिक जाम व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर रहा है। डग्गामार वाहनों की बढ़ती संख्या और मुख्य मार्गों पर अनियंत्रित यातायात समस्या को और गंभीर बना रहा है। जाम से निजात दिलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने निजामपुर से ततारपुर तक बाईपास का निर्माण कराया था। इसके उद्घाटन के समय लोगों को जाम से राहत मिलने की उम्मीद जगी थी, लेकिन शहर के भीतर यातायात दबाव कम नहीं हुआ। यातायात पुलिस की तैनाती के बावजूद स्थिति में विशेष बदलाव दिखाई नहीं दे रहा है। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा तहसील चौपला, मेरठ तिराहा और पक्का बाग चौराहे पर लाखों रुपये की लागत से लगाई गई यातायात बत्तियां भी प्रभावी साबित नहीं हुईं। कई यातायात बत्तियां शुरू होने से पहले ही खराब होकर कबाड़ में तब्दील हो गईं, जबकि पुलिस विभाग द्वारा लगाई गई कुछ बत्तियां भी अब तक चालू नहीं हो सकी हैं। ऐसे में आवश्यकता है कि प्रशासन जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्थायी यातायात योजना लागू करे, बाईपास का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कराए और खराब यातायात बत्तियों को तत्काल दुरुस्त कराए, ताकि हापुड़ की पहचान जाम नहीं बल्कि अपनी पुरानी पापड़ नगरी के रूप में कायम रह सके।

सांसद इकरा हसन के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में निषाद पार्टी नेता ने दिया इस्तीफा

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। कैराना सांसद चौधरी इकरा हसन के खिलाफ कथित अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दास शोकैद्राचार्य ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि किसी जनप्रतिनिधि, महिला अथवा सार्वजनिक जीवन में सक्रिय व्यक्ति के प्रति अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दास शोकैद्राचार्य ने कहा कि काफी विचार-विमर्श और आत्ममंथन के बाद उन्होंने यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन एवं समाज के हित में कार्य करने का प्रयास किया, लेकिन उनके लिए राजनीतिक पद से अधिक विचार, सिद्धांत और जनता के प्रति जवाबदेही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में कैराना सांसद चौधरी इकरा हसन के खिलाफ कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा कथित रूप से जिस प्रकार की अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं, वह दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय हैं। लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन विरोध की आड़ में गाली-गलौज, अमर्यादित टिप्पणी अथवा किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत चरित्र पर सवाल उठाना उचित नहीं है। दास शोकैद्राचार्य ने कहा कि वह सांसद इकरा हसन के सम्मान के लिए मजबूती से उनके साथ खड़े हैं और उनके सम्मान की लड़ाई में आगे भी साथ रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इस्तीफा किसी व्यक्तिगत द्वेष से प्रेरित नहीं है, बल्कि यह उनके राजनीतिक विवेक और व्यक्तिगत निर्णय का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में मयार्दा, सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन होना आवश्यक है। राजनीतिक असहमति को व्यक्तिगत अपमान का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से भी सार्वजनिक संवाद में संयम एवं गरिमा बनाए रखने की अपील की।

शिक्षक दिवस पर उत्थान फाउंडेशन ने शिक्षकों को किया सम्मानित, बच्चों ने प्रस्तुतियों से मोहा मन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। उत्थान फाउंडेशन की ओर से शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में श्री अंबेडकर लाइब्रेरी, कस्बा रोड, मोदीनगर में शिक्षक सम्मान एवं बाल प्रतिभा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन की ह्यबढ़ते कदमह्ल योजना के तहत प्रत्येक रविवार नि:शुल्क अंग्रेजी बोलने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच मुख्य अतिथि तथा हरनीत सिंह ह्यहैप्पीह्ल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए फाउंडेशन के शिक्षा संबंधी प्रयासों की सराहना की। फाउंडेशन की संस्थापक सचिव सोनिका जैन ने बताया कि श्री अंबेडकर लाइब्रेरी में करीब एक वर्ष से प्रत्येक रविवार बच्चों के लिए नि:शुल्क अंग्रेजी बोलने की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। कविता गुप्ता बच्चों को नियमित प्रशिक्षण दे रही हैं। उन्होंने बताया कि ह्यबढ़ते कदमह्ल योजना पिछले तीन वर्षों से जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा और व्यक्तित्व विकास के लिए संचालित है। इसके माध्यम से अब तक सैकड़ों बच्चे नि:शुल्क अंग्रेजी बोलने का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। शिक्षक दिवस पर परविंदर कौर, रिंकी कंसल, पायल जोशी, अलका चौधरी, सोनिया गर्ग और कविता गुप्ता को सम्मानित किया गया। जन्माष्टमी की मटकी सजावट तथा रक्षाबंधन की राखी निर्माण प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को भी उपहार देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन तूबा खान ने किया। इस अवसर पर गजाला खान, अनु माहेश्वरी, ज्योति रानी सहित अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

एचपीडीए ने 15 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त कर 15 निर्माण सील किए, 8 .56 करोड़ रुपये शमन शुल्क वसूला

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण ने अवैध प्लाटिंग और बिना मानचित्र स्वीकृति के किए जा रहे निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राधिकरण ने जनपद में 15 स्थानों पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त करने के साथ ही 15 अवैध निमार्णों को सील किया है। इसके अलावा शमन स्वीकृत कराकर प्राधिकरण ने 8 करोड़ 56 लाख 91 हजार रुपये की धनराशि भी प्राप्त की है। प्राधिकरण क्षेत्र में हापुड़, पिलखुवा, सिंभावली, गढ़मुक्तेश्वर और ब्रजघाट में कुछ कालोनाइजरों द्वारा कृषि भूमि पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध कालोनियां विकसित की जा रही हैं। आरोप है कि छोटे-छोटे भूखंडों की बिक्री कर दी जाती है, जबकि अधिकांश कालोनियों में सड़क, नाली, सीवर, पार्क और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास नहीं कराया जाता। इससे भूखंड खरीदने वाले लोगों को बाद में परेशानी का सामना करना पड़ता है। एचपीडीए के प्रभारी सचिव अमित कादियान ने बताया कि उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 के तहत अवैध प्लाटिंग और निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की मौजूदगी में अभियान चलाकर अवैध कालोनियों और निमार्णों को ध्वस्त एवं सील किया जाएगा। उन्होंने कालोनाइजरों से अवैध गतिविधियां रोककर कालोनी का मानचित्र स्वीकृत कराने तथा निर्माणकर्ताओं से आवासीय और व्यावसायिक भवनों के लिए नियमानुसार मानचित्र स्वीकृत कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि 8, 10, 15, 17, 22 और 24 सितंबर को भी प्राधिकरण क्षेत्र में ध्वस्तीकरण और सीलिंग अभियान चलाया जाएगा।

अब 25 दिन बाद ही बुक होगा घरेलू एलपीजी सिलेंडर, ग्रामीण-शहरी उपभोक्ताओं के लिए व्यवस्था समान

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग व्यवस्था में बदलाव किया गया है। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 7 सितंबर 2026 को जारी निदेर्शों के अनुसार अब शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग का अंतराल समान रूप से 25 दिन निर्धारित कर दिया गया है। पूर्व में ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए यह अंतराल 45 दिन था। जिला पूर्ति अधिकारी हापुड़ ने बताया कि संशोधित व्यवस्था के तहत उपभोक्ता अपनी पिछली रिफिल बुकिंग के 25 दिन पूरे होने के बाद ही अगली रिफिल की बुकिंग करा सकेंगे। नई व्यवस्था शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं पर समान रूप से लागू होगी। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित अंतराल का ध्यान रखते हुए ही अगली रिफिल के लिए बुकिंग कराएं। जिले में कार्यरत सभी एलपीजी वितरकों और विक्रय अधिकारियों को संशोधित व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उपभोक्ताओं को सिलेंडर की घर तक आपूर्ति उपलब्ध कराने और निर्धारित मूल्य पर ही एलपीजी रिफिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को नई बुकिंग व्यवस्था की जानकारी देने के साथ ही वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखी जाए, जिससे किसी उपभोक्ता को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन वामन अवतार प्रसंग ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। नगर के चौक बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा। कथावाचक स्वामी राजदास महाराज ने वामन अवतार प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भगवान विष्णु की दिव्य लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। स्वामी राजदास महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन को संस्कारवान और आध्यात्मिक बनाने का प्रभावी माध्यम है। भगवान का भजन, सत्संग और कथा श्रवण मनुष्य को जीवन के कष्टों से उबरने की शक्ति देता है और उसे मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम का स्मरण सबसे सरल और प्रभावी साधना है। सच्चे मन से प्रभु का स्मरण करने वाले व्यक्ति को मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से दैनिक जीवन में धर्म, सत्य, सदाचार और सेवा के भाव को अपनाने का आह्वान किया। कहा कि आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे लगातार दौड़ रहा है, जबकि वास्तविक और स्थायी सुख ईश्वर की भक्ति एवं सत्संग में मिलता है। उन्होंने प्रतिदिन कुछ समय भगवान की आराधना, हरिनाम संकीर्तन और सत्संग के लिए निकालने की अपील की। कथा के दौरान अग्रवाल धर्मशाला परिसर जयकारों और भक्ति भाव से गूंजता रहा। थानाभवन नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचे तथा धार्मिक आयोजन में सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया।

बारिश में जर्जर भवनों पर निगम की नजर, हादसे रोकने को चिन्हांकन शुरू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बारिश के दौरान पुराने और जर्जर भवनों के ढहने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने ऐसे भवनों का चिन्हांकन शुरू कर दिया है। नगर आयुक्त ने सभी जोन में जर्जर और अत्यधिक पुराने भवनों को चिन्हित करने के लिए कमेटी गठित की है। इसमें जोनल प्रभारी तथा निर्माण विभाग की टीम संयुक्त रूप से कार्रवाई करेगी।

भवन स्वामियों को दिए जा रहे नोटिस

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि वर्षा ऋतु में लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण पुराने तथा जर्जर भवनों के गिरने की आशंका बढ़ जाती है। इसे देखते हुए निगम की टीम ऐसे भवनों का निरीक्षण कर उन्हें चिन्हित कर रही है। भवन स्वामियों और

निर्माणकताओं को नोटिस जारी कर अपनी संपत्तियों की स्थिति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए जा रहे हैं। साथ ही जर्जर भवनों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया है।

जोनल प्रभारी और निर्माण विभाग करेगा संयुक्त कार्रवाई

सभी जोन के जोनल प्रभारी तथा निर्माण विभाग के सहायक अभियंता और अवर अभियंताओं को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि जर्जर भवनों के संबंध में भवन स्वामी और निर्माणकर्ता निगम की टीम का सहयोग करें, ताकि समय रहते संभावित हादसे को टाला जा सके।

जल निकासी के साथ भवनों की भी निगरानी

नगर निगम द्वारा बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के साथ ही शहर में जर्जर और पुराने भवनों की निगरानी भी की जा रही है। ऐसे भवनों में रह रहे लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। पूरे अभियान की निगरानी मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी और निर्माण विभाग की टीम करेगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत ततारपुर विकास खण्ड बिसरख जनपद गौतमबुद्धनगर

पंत्राकः मीमो /टेण्डर नोटिस/2026-27 दिनांक:07.09.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत ततारपुर की ओर से सीएसआर वित्त योजना के अन्तर्गत एन०टी०पी०सी० दादरी से ग्राम पंचायत ततारपुर के ओ०एस०आर खाते में प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत ततारपुर में कराये जाने वाले निमार्ण कार्य हेतु दिनांक 22.09.2026 को निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक रजिस्टर्ड कान्टैक्टर जिनकी फर्म आर.ई.डी./पी.डब्लू डी / अन्य सरकारी विभागों में पंजीकत हो, नियमानुसार तिथि तक सीलबन्द लिफाफे में मात्रा के बिल के अनुसार निविदाए सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय ततारपुर पर प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत निविदांए उसी दिन 22.09.2026 को निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जाएगी।

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर राशि (2 प्रतिशत)	निविदा मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित	कार्य पूर्ण की अवधि
1	ग्राम पंचायत ततारपुर में ट्रांसफार्मर से खुबीराम के प्लॉट तक सी०सी० रोड निमार्ण कार्य	3934000.00	78680	393+500 = 894	90 दिन

नियम एवं शर्तें:
1. धरोहर राशि (अरनेस्ट मनी) 2 प्रतिशत निविदा डालने के समय एन.एस.सी. /एफ.डी.आर / नकद के रूप में जो ग्राम पंचायत ततारपुर के नाम बन्धक होगी तथा 8 प्रतिशत जमानत धनराशि प्रथम भुगतान के दौरान बन्धक करानी होगी।
2.कार्य जिला पंचायत /आर. ई.डी. / पीडब्ल्यूडी विभाग के मानक के अनुसार कराया जायेगा।
3. ग्राम पंचायत ततारपुर को निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदार को ही देय होगी।
5. निविदादाता निविदा के साथ पैन नम्बर, जी.एस.टी. नम्बर, ब्लड रिलेशन प्रमाण पत्र, कान्टैक्टर पंजीकरण प्रमाण पत्र, स्टाम्प पेपर रुपये 100 (रसीदी टिकट के साथ) 90 दिनों की दरों की वैधता सम्बंधी, चरित्र प्रमाण पत्र, हैशियत प्रमाण पत्र व स्वः घोषणा प्रपत्र का प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करेंगे।
6. निविदादाता कार्य की आवश्यकता आदि की जानकारी सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रशासक / सचिव /कन्सलंटिंग इंजीनियर से किसी भी कार्य दिवस में निविदा की अंतिम तिथि तक प्राप्त कर सकते हैं।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटोतिया की जाएगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेगी।

ग्राम प्रशासक/ ग्राम पं० सचिव
ग्राम पंचायत - ततारपुर
बिसरख - गौतमबुद्धनगर

कार्यालय ग्राम पंचायत सलारपुर कलां विकास खण्ड बिसरख जनपद गौतमबुद्धनगर

पंत्राकः मीमो /टेण्डर नोटिस/2026-27 दिनांक:07.09.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत सलारपुर कलां की ओर से सीएसआर वित्त योजना के अन्तर्गत एन०टी०पी०सी० दादरी से ग्राम पंचायत सलारपुर कलां के ओ०एस०आर खाते में प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत सलारपुर कलां में कराये जाने वाले निमार्ण कार्य हेतु दिनांक 22.09.2026 को निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक रजिस्टर्ड कान्टैक्टर जिनकी फर्म आर. ई.डी./पी.डब्लू.डी / अन्य सरकारी विभागों में पंजीकत हो, नियमानुसार तिथि तक सीलबन्द लिफाफे में मात्रा के बिल के अनुसार निविदाएं सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय सलारपुर कलां पर प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत निविदांए उसी दिन 22.09.2026 को निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जाएगी।

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर राशि (2 प्रतिशत)	निविदा मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित	कार्य पूर्ण की अवधि
1	ग्राम पंचायत सलारपुर कलां में खेल मैदान का निमार्ण कार्य ।	3934000.00	78680	393+500 = 894	90 दिन

नियम एवं शर्तें:
1. धरोहर राशि (अरनेस्ट मनी) 2 प्रतिशत निविदा डालने के समय एन.एस.सी. /एफ.डी.आर / नकद के रूप में जो ग्राम पंचायत सलारपुर कलां के नाम बन्धक होगी तथा 8 प्रतिशत जमानत धनराशि प्रथम भुगतान के दौरान बन्धक करानी होगी।
2.कार्य जिला पंचायत /आर. ई.डी. / पीडब्ल्यूडी विभाग के मानक के अनुसार कराया जायेगा।
3. ग्राम पंचायत सलारपुर कलां को निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदार को ही देय होगी।
5. निविदादाता निविदा के साथ पैन नम्बर, जी.एस.टी. नम्बर, ब्लड रिलेशन प्रमाण पत्र, कान्टैक्टर पंजीकरण प्रमाण पत्र, स्टाम्प पेपर रुपये 100 (रसीदी टिकट के साथ) 90 दिनों की दरों की वैधता सम्बंधी, चरित्र प्रमाण पत्र, हैशियत प्रमाण पत्र व स्वः घोषणा प्रपत्र का प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करेंगे।
6. निविदादाता कार्य की आवश्यकता आदि की जानकारी सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रशासक / सचिव /कन्सलंटिंग इंजीनियर से किसी भी कार्य दिवस में निविदा की अंतिम तिथि तक प्राप्त कर सकते हैं।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटोतिया की जाएगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेगी।

ग्राम प्रशासक/ ग्राम पं० सचिव
ग्राम पंचायत - सलारपुर कलां
बिसरख - गौतमबुद्धनगर

संपादकीय

रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति की नई उम्मीद, क्या इस बार बातचीत देगी समाधान?

रूस और यूक्रेन के बीच करीब साढ़े चार साल से जारी युद्ध ने केवल दो देशों की सीमाओं को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और कूटनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे समय में 7 सितंबर 2026 को क्रेमलिन की ओर से आया यह संकेत महत्वपूर्ण है कि रूस अमेरिका और यूक्रेन के साथ त्रिपक्षीय बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना से इनकार नहीं करता। हालांकि रूस ने यह भी स्पष्ट किया है कि अभी बातचीत की तारीख और स्थान तय होने की बात करना जल्दबाजी होगी। इसके बावजूद मौजूदा परिस्थितियों में बातचीत की संभावना का फिर सामने आना अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है। इस नई कूटनीतिक हलचल की पृष्ठभूमि में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की सक्रियता महत्वपूर्ण है। दोनों अमेरिकी प्रतिनिधियों ने हाल ही में मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तीन घंटे से अधिक समय तक बातचीत की और उसके बाद कीव पहुंचकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी चर्चा की। मॉस्को की बैठक को रूसी पक्ष ने उपयोगी और रचनात्मक बताया, जबकि कीव में हुई बातचीत को भी अमेरिकी प्रतिनिधियों ने सार्थक बताया, लेकिन अभी तक कोई ठोस समझौता सामने नहीं आया है। यही इस पूरे घटनाक्रम की सबसे बड़ी चुनौती है। बातचीत का माहौल बनना और युद्ध समाप्त करने के लिए वास्तविक समझौता होना दो अलग अलग बातें हैं। रूस और यूक्रेन के बीच सबसे कठिन सवाल क्षेत्रीय नियंत्रण, सुरक्षा गारंटी और भविष्य की सैन्य व्यवस्था से जुड़े हैं। मॉस्को अपनी सुरक्षा चिंताओं और कब्जे वाले क्षेत्रों को लेकर कठोर रुख रखता आया है, जबकि कीव किसी ऐसे समझौते को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है जिसे उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौते के रूप में देखा जाए। इन मूलभूत मतभेदों के रहते केवल नेताओं के बीच बैठकें युद्ध समाप्त नहीं कर सकतीं। फिर भी कूटनीति की शुरूआत अक्सर वहीं से होती है जहां युद्धरत पक्ष एक दूसरे से बात करना बंद कर देते हैं। इसलिए अमेरिका की ताजा पहल को महज औपचारिक कवायद मानना उचित नहीं होगा। क्रेमलिन ने भी सोमवार को यह संकेत दिया है कि पुतिन और ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। यह बातचीत यदि होती है तो अमेरिकी दूतों की मॉस्को और कीव यात्रा से मिले संकेतों को राजनीतिक स्तर पर आगे बढ़ाने का अवसर बन सकती है। लेकिन शांति के रास्ते में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कूटनीतिक प्रयासों के समानांतर युद्ध भी जारी है। हाल के दिनों में रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन और मिसाइल हमले जारी रहे हैं। यूक्रेन अपनी वायु रक्षा क्षमता मजबूत करने के लिए अमेरिका से पैट्रियट जैसी प्रणालियों की मांग कर रहा है और आने वाली सर्दियों में ऊर्जा ढांचे तथा नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। इसका अर्थ साफ है कि बातचीत की मेज पर बैठने के बावजूद दोनों पक्ष अभी युद्ध के लिए अपनी तैयारियां कम करने की स्थिति में नहीं पहुंचे हैं। युद्ध लंबा खिंचने का सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को हुआ है। शहरों का बुनियादी ढांचा प्रभावित हुआ, लाखों लोगों को विस्थापन का सामना करना पड़ा और ऊर्जा तथा खाद्य सुरक्षा जैसे प्रश्न वैश्विक चिंता बन गए। यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था भी इस युद्ध के कारण बदल गई है। दुनिया के लिए यह युद्ध इसलिए भी गंभीर है क्योंकि रूस और पश्चिमी देशों के बीच बढ़ता तनाव किसी व्यापक सैन्य टकराव का जोखिम पैदा करता है। परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच तनाव जितना लंबा चलेगा, गलती या गलत आकलन की संभावना उतनी ही खतरनाक होगी। ऐसे में अमेरिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। वाशिंगटन यदि वास्तव में शांति चाहता है तो उसे केवल रूस और यूक्रेन के बीच समझौते की कोशिश नहीं करनी चाहिए, बल्कि यूरोपीय देशों को भी प्रक्रिया का प्रभावी हिस्सा बनाना होगा। यूरोप युद्ध की आर्थिक और सुरक्षा कीमत सीधे चुका रहा है। इसलिए ऐसी कोई भी शांति व्यवस्था, जिसमें यूरोपीय सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज किया जाए, लंबे समय तक टिकाऊ नहीं हो सकती। हाल की कीव यात्रा में यूरोपीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी इसी आवश्यकता की ओर संकेत करती है।

~ मौलिक चिंतन ~

जिसकी ज़िन्दगी से शरारते नहीं जातीं, वो शख़्स कभी बूढ़ा नहीं होता।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

सनत जैन

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है। भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है। बीच-बीच में विदेशी पूंजी की वापसी बाजार में भरोसे का संकेत देती है, उनका बार-बार तेजी से बाहर निकलना, भारतीय शेयर बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता को उजागर करता है। विदेशी निवेशक जब शेयर खरीदते हैं, बाजार में तेजी को बल मिलता है। भारी बिकवाली होने का असर कई रूप में देखने को मिल सकता है। छोटे और घरेलू निवेशकों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर होता है। शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा आने वाले कुछ महीनों में सामने आएगी। विशेषज्ञों की नजर विदेशी निवेशकों के उस रुख पर है। यदि अमेरिकी बॉन्ड पर आकर्षक रिटर्न मिलता है। डॉलर मजबूत बना रहता है, ऐसी स्थिति में विदेशी पूंजी का बड़ा हिस्सा उभरते बाजारों से निकलकर विकसित बाजारों में निवेश की संभावना बढ़ेगी। जो भारतीय बाजार के लिए विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय अर्थ व्यवस्था की घरेलू मांग, कंपनियों की आय, सरकारी निवेश और घरेलू संस्थागत निवेशक, बाजार को सहारा दे सकते हैं। वैश्विक जोखिमों को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में दोहरी मार पड़ रही है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय शेयर बाजार में नए इशू आ रहे हैं। इसमें मनमाना प्रीमियम लिया जा रहा है। विदेशी निवेशक इस खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में उनके लिए दीर्घकालीन निवेश करने के लिए कोई अवसर नहीं है। जिसके कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। निवेश करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है।

जहरीली शराब से फिर मौतों का तांडव :सागर से उठता सवाल -जहरीली शराब की कीमत कौन चुका रहा है?

किशन सनमुखदास

मौतें जनता की,राजस्व सरकार का और फायदा माफिया का? -शराब माफिया बड़ा या सरकारी सिस्टम?- समग्र व्यापक विश्लेषण...

हर बार मौत,हर बार जांच, फिर वही जहरीली शराबः आखिर कब टूटेगा माफिया का नेटवर्क?

सागर की जहरीली शराब त्रासदी :मौत के जाम के पीछे कौन? शराब माफिया,प्रशासन और सिस्टम कीजवाबदेही पर बड़ा सवाल?-कब रुकेगा मौत का यह सिलसिला? -देशभर के लिए जहरीली शराब के खिलाफ निर्णायक जंग का आह्वान

वैश्विक स्तरपर भारत में जहरीली शराब से मौत की खबर कोई नई खबर नहीं है।वर्षों से अलग-अलग राज्यों से ऐसी त्रासदियां सामने आती रही हैं और हर बार मौतों के बाद जांच,छापे, गिरफ्तारी,निलंबन, मुआवजा और कठोर कार्रवाई के आश्वासन सुनाई देते हैं।लेकिन कुछ समय बाद वही कहानी किसी दूसरे जिले, दूसरे राज्य और दूसरे गांव में फिर सामने आ जाती है। 6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरूआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीमें तैनात की हैं। शुरूआती चिकित्सकीय आकलन में मेथनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमार्टम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा।

साथियों, इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है। प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूरआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालांकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा।

साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूरआर कोड लगा सके,सीमावर्ती जिलों में पहुंचा सके और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचा सके? यदि किसी नेटवर्क में उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन, वितरण और स्थानीय बिक्री की अलग- अलग कड़ियां मौजूद हैं,तो यह केवल एक व्यक्ति की आपराधिक गतिविधि नहीं रह जाती;यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े पहले स्तरः शराब माफिया,नकली शराब की पूरी श्रृंखला को समझने की करें तो,अवैध शराब का कारोबार सामान्यतः केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं होता जो अंतिम बोतल बेचता है।सवाल यह है कि नकली शराब बनती कहां है,उसके लिए कच्चा माल और रसायन कहां से आते हैं,उसे तैयार कौन करता है,बोतलों में कौन भरता है नकली ब्रांडिंग कौन करता है,परिवहन कौन करता हैऔर स्थानीय स्तर पर उसे बेचने वाला कौन है? सागर मामले में यदि ललितपुर से उत्पादन और सागर तक आपूर्ति की जांच सही साबित होती है, तो जांच एजेंसियों को केवल स्थानीय विक्रेता तक रुकने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क को खंगालना होगा।मई 2026 के पुणे मामले ने भी इसी नेटवर्क की गंभीरता दिखाई थी। वहां जांच में मेथनॉल की आपूर्ति और उसे अवैध शराब में मिलाए जाने की कड़ी सामने आई तथा एफडीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जब्त किया था।यानें जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है; इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिक्री जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी कहां टूटती है? इसको समझने की करें तो,दूसरा सवाल सीधे प्रशासन और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी से जुड़ता है।लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानों की निगरानी, अवैध बिक्री की पहचान, संदिग्ध शराब की जांच,स्टॉक और दस्तावेजों का सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से तय होना चाहिए।फिर भी यदि जांच में यह सामने आता है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई,संदिग्ध दुकानों की निगरानी नहीं की गई या अधिकारियों ने जानबूझकर आंखें बंद कीं, तो जवाबदेही केवल माफिया तक सीमित नहीं रह सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है।

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तरःराजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है; दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूरआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके?

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तरः मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है।भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है। सवाल अब यह नहीं होना चाहिए कि अगली घटना के बाद कितने लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। सवाल यह होना चाहिए कि अगली घटना होने ही न देने की सटिका से व्यवस्था कब बनेगी?

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए।

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसह्ण मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं

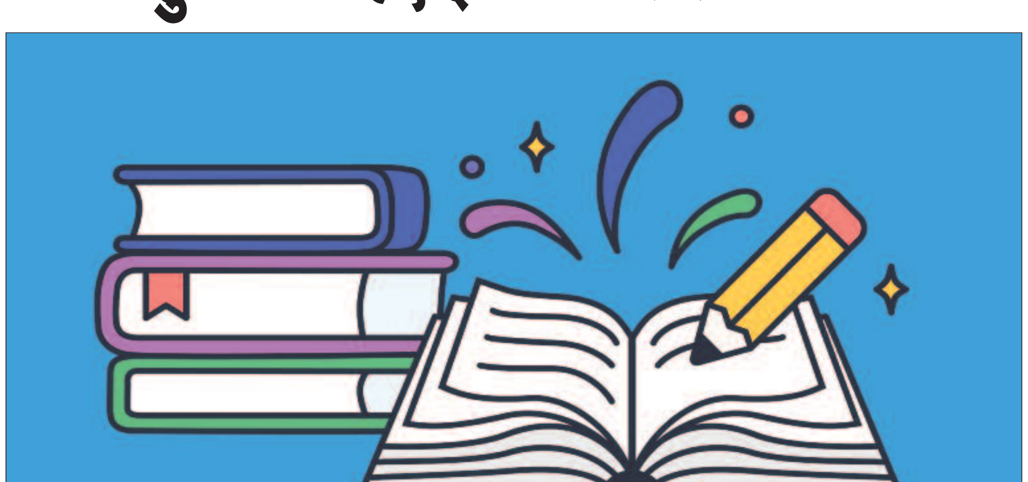

लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता'। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' और 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

फुहारों के बीच खिली-खिली दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फुहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियों से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

- इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।
- इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेदें नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।
- यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी।
- एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।

- इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।
- इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।
- इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लोअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

- सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।
- इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।
- बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।
- बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।
- बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

- इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।
- चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।

स्किन केयर टिप्स

- इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।
- इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।
- बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं।

सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।

जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंग्शुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंग्शुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री

6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि

केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्ठी-मीठी चटनी के साथ इसका स्वाद दुगुना हो जाएगा।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

सामग्री

5 भुट्टे नरम दाने वाले,100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली , आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन , नमक स्वादानुसार , आधा चम्मच लाल मिर्च , एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पींस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री

200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि

मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

पालक रोल पकौड़ी

सामग्री

पालक के 15 पत्ते , 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ , हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री

एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक
चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि

बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

सोने-चांदी की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में बदलाव आया है। इन दोनो कीमती धातुओं में आज हल्की नरमी आई। आज 24 कैरेट सोने की कीमतें करीब 1,52,815 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं, बुलियन बाजार में 24 कैरेट सोना लगभग 1,53,340 रुपये प्रति 10 ग्राम बताया गया है। हालांकि, खुदरा बाजार मेंकीमतों में महत्वपूर्ण अंतर देखा जा रहा है। देश के प्रमुख शहरों की बात करें तो, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,54,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोना 1,16,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध है। मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में 24 कैरेट सोना करीब 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में यह आंकड़ा बढ़कर 1,56,670 रुपये तक पहुंच गया है, जो अन्य शहरों से थोड़ा अधिक है।इसके अलावा चांदी की कीमतों में भी आज हल्की नरमी आई है। आज चांदी लगभग 2,37,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है, जो पिछले कारोबारी सत्र में 2,37,658 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। खुदरा बाजार में चांदी का भाव शहर दर शहर बदलता है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में चांदी करीब 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। वहीं, चेन्नई सहित कुछ अन्य शहरों में इसका भाव 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि सोने और चांदी की कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थिति का गहरा असर पड़ता है। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें, डॉलर की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव जैसे कई कारण इन कीमती धातुओं के भाव को लगातार प्रभावित कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेजी की कीमतों में तेजी आई है। ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण आई है। इसी कारण ब्रेंट क्रूड करीब 0.6 फीसदी बढ़कर 96.8 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह भी कच्चे तेल में भारी तेजी आई है। इसमें ब्रेंट लगभग 7.8 फीसदी और डब्ल्यूटीआई लगभग 10 फीसदी महंगा हुआ था। इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास तेल टैंकरों पर हुए जवाबी हमले हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा तेज हुए हमलों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आवाजाही काफी कम हो गई है। , पिछले 10 दिनों में औसतन सिर्फ 10 कमोडिटी जहाज रोजाना इस जलडमरूमध्य से गुजरे हैं, जो मई के बाद का सबसे निचला स्तर है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव आगे और बढ़ने की आशंका है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जा सकता है। यदि जहाजों की आवाजाही पर और अधिक पाबंदियां लगाई जाती हैं, तो वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति पर और दबव पड़ेगा जिससे कीमतें और बढ़ेगी। इस बीच, रविवार को हुई बैठक में ओपेक+ (तेल उत्पादक देशों का समूह) ने अक्टूबर के लिए अपनी तेल उत्पादन नीति में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे बाजार को कोई राहत नहीं मिली। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय तक तनाव बना रहने की आशंका ज्यादा है, जिसमें सीमित सैन्य कार्रवाई भी जारी रह सकती है। उनका अनुमान है कि 2026 के बाकी महीनों में पश्चिम एशिया से तेल निर्यात पर दबाव बना रह सकता है।

आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में हुआ सुधार

बिनौला तेल टूटा, सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव बने रहे स्थिर

नई दिल्ली।

बाजार में सोयाबीन की आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव में हल्का सुधार दर्ज किया गया। औद्योगिक मांग बढ़ने और अन्य खाद्य तेलों की तुलना में सस्ता होने के कारण कच्चे पाम तेल और पामोलीन की कीमतों में भी तेजी रही। दूसरी ओर आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली किए जाने से सोयाबीन तेल के भाव दबाव में रहे जबकि ऊंची कीमतों पर मांग कमजोर पड़ने से बिनौला तेल भी टूट गया। सुस्त कारोबार के बीच सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर बने रहे।

सूत्रों के मुताबिक सप्ताहांत में मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जबकि दैनिक मांग करीब 2.5 से 3 लाख बोरी है। आवक कम होने और त्योहारी मांग के कारण सोयाबीन तिलहन में मामूली मजबूती आई। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव 25-25 रुपए बढ़कर क्रमशः 6,700-6,750 रुपए और 6,550-6,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया।

वहीं, आयातकों की लागत से नीचे बिक्री का असर सोयाबीन तेल पर पड़ा। सूत्रों के मुताबिक सोयाबीन डीगम के आयात की लागत करीब 125 रुपए प्रति किलो बैठती है, जबकि आयातक इसे करीब 118.50 रुपए प्रति किलो में बेच रहे हैं। इस वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपए घटकर 15,600 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। सोयाबीन इंदौर तेल भी 150 रुपए टूटकर 15,400 और सोयाबीन डीगम 200 रुपए गिरकर 11,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

औद्योगिक मांग बढ़ने और दूसरे खाद्य तेलों की तुलना में पाम तेल सस्ता होने से सीपीओ और पामोलीन के भाव मजबूत हुए। सीपीओ 150 रुपए बढ़कर 14,100 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली 150 रुपए बढ़कर 16,000 रुपए और पामोलीन एक्स-कांडला 100 रुपए बढ़कर 14,700 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

ऊंचे भाव पर लिवाली कमजोर रहने से बिनौला तेल 400 रुपए गिरकर 16,500 रुपए प्रति क्विंटल रह गया।

दूसरी ओर सरसों दाना 8,300-8,350 रुपए और सरसों तेल दादरी 16,800 रुपए प्रति क्विंटल पर स्थिर रहा। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,735-2,835 रुपए और 2,735-2,885 रुपए प्रति 15 किलो टिन पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन 7,350-7,925 रुपए, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये प्रति क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपए प्रति टिन पर स्थिर रहे।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम पुराने स्तर पर ही स्थिर बने हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को फिलहाल थोड़ी राहत मिली है। तेल कंपनियों ने आज भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया।

गौरतलब है कि तेल की कीमतें कई वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करती है। इनमें सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें हैं। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो तेल कंपनियों की खरीद लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर पड़ता है। इसी तरह, भारतीय रुपया और अमेरिकी डॉलर के बीच की विनिमय दर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है, तो कच्चे तेल का आयात महंगा हो जाता है, भले ही डॉलर में उसकी कीमत स्थिर रहे। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए विभिन्न टैक्स (जैसे उत्पाद शुल्क और वैट), डीलर कमीशन और अन्य परिचालन लागतें भी अंतिम उपभोक्ता मूल्य का एक बड़ा हिस्सा होती हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 94.49 पर बंद हुआ। वहीं सुबह रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ लगभग 94.39 से 94.47 के स्तर पर खुला। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ईरान अमेरिका तनाव भी दबाव के कारण भी रुपया गिरा है। शेयर बाजार की गिरावट का प्रभाव भी भी रुपये पर आया है। वहीं पिछले कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.53 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 94.46 के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ था और 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 382, निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक नीचे आकर 76,132.81 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 118.55 अंक टूटकर 23,779.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज के सत्र में कुल 4729 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें गिरावट वाले शेयरों की संख्या बढ़त वाले शेयरों से ज्यादा थी। 2470 शेयरों में लाल निशान पर कारोबार समाप्त हुआ, जबकि 2018 शेयरों में तेजी रही। वहीं 241 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में इन्फोसिस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टेक महिंद्रा, जियो फाइनेंशियल और एचडीएफसी लाइफ के शेयर रहे जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, एलएंडटी, कोल इंडिया और मैक्स हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही। फार्मा सेक्टर ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा जो बढ़त के साथ बंद हुआ।

इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक और रियल्टी जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में भी 0.5 फीसदी की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में बदलाव नहीं हुआ। ये बाजार में बिकवाली के दबाव को दिखाता है। बाजार में इस गिरावट के पीछे । वैश्विक तेल बेंचमार्क, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी एक बड़ी वजह बनकर उभरी, जो 0.78 प्रतिशत बढ़कर 97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ाती हैं, जिसका असर शेयर बाजारों पर पड़ना स्वाभाविक है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे, जबकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला - दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई बढ़त में रहे, लेकिन शंघाई और हांगकांग के सूचकांक लाल निशान पर थे।विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार दूसरे सत्र में बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया।

शुक्रवार को विदेशी निवेशकोंने भारतीय इक्विटी बाजार से 3,111.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं इससे पहले आज सुबह भी घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुला था। सुबह सेंसेक्स 133.65 अंक की गिरावट के साथ 76,381.78 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी50 भी 47.30 अंक नीचे आकर 23,850.40 के स्तर पर पहुंच गया।

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न

बिटकॉइन 26 फीसदी चढ़कर 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया

नई दिल्ली,

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमत करीब 7.6 फीसदी और चांदी की कीमत करीब 6 फीसदी बढ़ी है। वहीं बिटकॉइन करीब 26 फीसदी चढ़कर दोबारा 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया है। हालांकि, अब इन परिसंपत्तियों की तेजी के सामने अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर बढ़ोतरी बड़ी चुनौती बन सकती है। सीएमई फेडवॉच के मुताबिक बाजार में इस साल के आखिर तक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की करीब 58 फीसदी संभावना जताई जा रही है। एक महीने पहले यह अनुमान करीब 45 फीसदी था। ब्याज दर बढ़ने पर अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड और डॉलर मजबूत हो सकते हैं। ऐसे में बिना ब्याज देने वाले सोने और चांदी की तुलना में बॉन्ड निवेशकों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं। बिटकॉइन जैसी जोखिम वाली परिसंपत्तियों पर भी ऊंची ब्याज दरों का दबाव पड़ सकता है।हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सोने की स्थिति कुछ अलग हो सकती है। दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी के मुताबिक सोने और चांदी को अभी भी मजबूत मांग का समर्थन मिल रहा है, लेकिन फेड का सख्त रुख निकट अवधि में कीमतों के लिए चुनौती बन सकता है। केंद्रीय बैंक भी सोने की मांग को सहारा दे रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई तक केंद्रीय बैंकों ने करीब 130 टन सोना खरीदा है। चीन समेत कई देशों के केंद्रीय बैंक लगातार अपने स्वर्ण भंडार में इजाफा कर रहे हैं।

रसोई गैस के सिलेंडर की कीमतें स्थिर, पर व्यावसायिक सिलेंडर महंगा हुआ

नई दिल्ली । रसोई गैस के उपभोक्ताओं के लिए सोमवार को एक मिश्रित खबर सामने आई है। जहां एक ओर घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे लाखों परिवारों को तत्काल राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह स्थिति विभिन्न आर्थिक वर्गों पर अलग-अलग तरह से असर डालेगी, खासकर उन कारोबारियों के लिए जिनकी ईंधन लागत सीधे तौर पर उनके उत्पादों और सेवाओं की कीमत को प्रभावित करती है।दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर आज भी 942 रुपये में उपलब्ध है, इसकी कीमत में कोई वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि, यह राहत सिर्फ घरेलू उपभोक्ताओं तक ही सीमित है। होटल, रेस्तरां, ढाबे और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में वृद्धि हुई है। दिल्ली में अब यह सिलेंडर 2747.50 रुपये का मिलेगा, जबकि पिछले महीने इसकी कीमत 2738 रुपये थी। इस प्रकार, प्रति सिलेंडर 9.50 रुपये की मामूली लेकिन महत्वपूर्ण बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह वृद्धि सीधे तौर पर इन व्यवसायों की परिचालन लागत को बढ़ाएगी।

जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को होने की संभावना

-12 सितंबर को होने वाली थी यह बैठक, ब्रिक्स सम्मेलन के कारण टाली

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को नई दिल्ली में हो सकती है। पहले यह बैठक 12 सितंबर को होने वाली थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन के कारण इसे टाल दिया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अभी नई तारीख की आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। जीएसटी अधिकारियों की तैयारी के लिए 5 और 6 अक्टूबर को बैठकें होंगी। पहली बैठक 5 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे और दूसरी 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगी।यह एक साल से ज्यादा समय बाद जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। पिछली बैठक 3 और 4 सितंबर 2025 को हुई थी। इसमें जीएसटी व्यवस्था में बड़े बदलाव को मंजूरी दी गई थी। इन बदलावों के तहत ज्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5 और 18 फीसदी की दो मुख्य कर दरों में रखा गया था। कुछ महंगी और ज्यादा कर वाली वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की विशेष दर भी तय की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में होने वाली बैठक में इनपुट टैक्स क्रेडिट, रिफंड और जीएसटी अनुपालन से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। कुछ मामलों में आईटीसी के दावे से जुड़ी पाबंदियों को आसान करने और उलटी शुल्क संरचना के कारण जमा हो रहे क्रेडिट की समस्या दूर करने के प्रस्तावों पर भी विचार हो सकता है।

पर्पल स्टाइल लैब्स का शेयर 535 के भाव पर खुला, निवेशकों को 40 रुपए का नुकसान

-शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन और माधुरी दीक्षित का भी इसमें लगा है पैसा

नई दिल्ली,।

पर्पल स्टाइल लैब्स शेयर की स्टॉक मार्केट में शुरुआत फीकी रही है। एनएसई और बीएसई पर यह शेयर करीब 7 फीसदी के डिस्काउंट पर लिस्ट हुआ है। पर्पल स्टाइल लैब्स का शेयर 535 रुपए के भाव पर खुला। यह 575 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस से 6.96 फीसदी कम है यानी हर शेयर पर आईपीओ निवेशकों को 40 रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, बीएसई पर कंपनी के शेयर 539 पर लिस्ट हुआ जो इश्यू प्राइस के मुकाबले 6.26 फीसदी की गिरावट दिखाता है।रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन तेंदुलकर और माधुरी दीक्षित का भी पर्पल स्टाइल लैब्स में पैसा लगा है। लिस्टिंग के बाद पर्पल स्टाइल लैब्स का बाजार पूंजीकरण करीब 4,315.29 करोड़ हो गया। सोमवार सुबह पर्पल स्टाइल लैब के शेयर ग्रे मार्केट में 2 फीसदी डिस्काउंट पर कारोबार कर रहे थे, लेकिन लिस्टिंग ग्रे मार्केट के अनुमान से भी ज्यादा डिस्काउंट पर हुई।पर्पल स्टाइल लैब्स आईपीओ को 2 सितंबर को बंद हुआ था। इसे यू 1.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसे रिटेल कैटेगरी में 1.66 गुना, क्युआईबी कैटेगरी में 1.50 गुना और एनआईआई कैटेगरी में 0.89 गुना बोलियां मिली थी। 680 करोड़ रुपए का यह आईपीओ पूरी तरह फ्रेश इश्यू था। इसका प्राइस बैंड 546 से 575 प्रति शेयर तय था। एक लॉट में 26 शेयर थे। रिटेल निवेशक कम से कम एक लॉट के लिए बोली लगाना अनिवार्य था। अपर प्राइस बैंड के हिसाब से रिटेल निवेशकों ने इस आईपीओ में कम से कम 14,950 रुपए लगाए। हर लाट पर उन्हें अब 1040 रुपए का नुकसान हुआ है। पर्पल स्टाइल लैब्स आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 75फीसदी, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए 15फीसदी और रिटेल निवेशकों के लिए 10फीसदी कोटा आरक्षित था।

मारुति हर महीने 16,000 से ज्यादा बेचती है बलेनो, अब बनाई नई योजना

कंपनी ने इस सप्ताह करीब 6.1 लाख से शुरू होने वाली नई बलेनो करेगी लॉन्च

नई दिल्ली।

मारुति सुजूकी इंडिया प्रीमियम हैचबैक की अहमियत बरकरार रहने पर दांव लगा रही है। हालांकि यात्री वाहन बाजार में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का दबदबा बढ़ रहा है।

यह ऐसे समय हो रहा है, जब चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया है। मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल प्रीमियम हैचबैक उद्योग का स्तर हर महीने करीब 50,000 वाहन होने का अनुमान है और इस श्रेणी में मारुति सुजूकी की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है।बनर्जी ने कहा कि मारुति की प्रीमियम हैचबैक बिक्री अप्रैल और अगस्त के बीच 28 फीसदी बढ़ी, जबकि उद्योग की वृद्धि 17 फीसदी रही। कंपनी नई बलेनो के साथ अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है।

इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम समेत कई नई खूबियां हैं। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2030 तक देश में यात्री वाहनों का समूचा बाजार 61 लाख से 63 लाख वाहनों तक पहुंच जाएगा। अनुमान है कि तब तक बाजार में एसयूवी की हिस्सेदारी 62 से 63 फीसदी होगी, जबकि हैचबैक और मल्टी-पर्पज व्हीकल के लिए करीब 37 से 38 फीसदी हिस्सेदारी ही बचेगी। बनर्जी ने कहा कि हमारा मानना है कि यह उद्योग करीब 63 लाख वाहनों का होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मारुति को गैर-एसयूवी श्रेणी में काफी गुंजाइश दिख रही है। कंपनी का अनुमान है कि साल 2030 तक यह बाजार लगभग 25 लाख वाहनों तक पहुंच सकता है, जबकि इस क्षेत्र में उसका अपना कारोबार मौजूदा करीब 6 लाख वाहनों से बढ़कर 12 लाख वाहनों तक हो सकता है।फिलहाल मारुति हर महीने करीब 16,000 से 16,500 बलेनो बेचती है।

उसकी फ्रॉन्क्स क्रॉसओवर की लगभग 17,000 से 18,000 गाड़ियां बिकती हैं। दोनों मॉडल एक ही प्रोडक्शन लाइन पर बनाए जाते हैं। साथ ही कंपनी दोनों मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि के आधार पर इनका उत्पादन घटाती-बढ़ाती है। कंपनी ने इस सप्ताहांत करीब 6.1 लाख रुपए से शुरू होने वाली नई बलेनो बाजार में उतारेगी।

नई बलेनो में एडीएएस के साथ ह्यूमन डिटेक्शन की सुविधा भी मिलेगी। बनर्जी के मुताबिक प्रीमियम हैचबैक श्रेणी में ऐसा पहली बार हो रहा है।

एनएसई ने किया शेयर बाजार के प्री-ओपन सेशन के नियमों में बदलाव

-अब सुबह 9 से 9:05 बजे तक निवेशक मार्केट और लिमिट के लगा सकेंगे ऑर्डर

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के प्री-ओपन सेशन के नियमों में बदलाव किया है। नई व्यवस्था में सुबह 9 बजे से 9:15 बजे तक चलने वाले प्री-ओपन सेशन के दौरान ऑर्डर लगाने, बदलने और रद्द करने की समय सीमा में बदलाव किया गया है। यह व्यवस्था इक्विटी कैश मार्केट के सभी शेयरों के साथ एसएमई शेयर, इनविट्स, रीट्स और डेरिवेटिव सेगमेंट पर भी लागू होगी। सबसे बड़ा बदलाव शुरुआती पांच मिनट में किया। अब सुबह 9 बजे से 9:05 बजे तक निवेशक मार्केट और लिमिट दोनों तरह के ऑर्डर लगा सकेंगे। इस दौरान ऑर्डर में बदलाव या उसे रद्द करने की भी सुविधा होगी। पहले यह समय सुबह 9 बजे से 9:08 बजे तक था।

रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 9:05 से 9:10 बजे के बीच नए लिमिट ऑर्डर लगाए जा सकेंगे। पहले लगाए गए लिमिट ऑर्डर में बदलाव या उसे रद्द किया जा सकेगा, लेकिन मार्केट ऑर्डर को बदलने या रद्द करने की अनुमति नहीं होगी। इस अवधि के आखिरी दो मिनट में सिस्टम अचानक ऑर्डर लेना बंद कर सकता है। ऐसे में ट्रेडर्स के लिए समय पर फैसला लेना जरूरी होगा। सुबह 9:10 से 9:12 बजे तक ऑर्डर मैच किए जाएंगे और इसी प्रक्रिया के आधार पर शेयरों की शुरुआती कीमत तय होगी। इसके बाद 9:12 से 9:15 बजे तक बफर पीरियड रहेगा और फिर सुबह 9:15 बजे सामान्य कारोबार शुरू होगा।

एनएसई के मुताबिक ओपनिंग प्राइस मांग और आपूर्ति के आधार पर तय की जाएगी। इसे इक्विलिब्रियम प्राइस कहा जाता है। यानी वह कीमत चुनी जाएगी, जिस पर सबसे ज्यादा शेयरों की खरीद-बिक्री संभव हो। अगर कई कीमतों पर समान मात्रा में कारोबार संभव हो, तो खरीद और बिक्री के ऑर्डर के बीच सबसे कम अंतर वाली कीमत को प्राथमिकता मिलेगी। इसके बाद भी स्थिति बराबर रहने पर पिछले कारोबारी दिन की क्लोजिंग कीमत के सबसे करीब वाली कीमत को शुरुआती कीमत माना जाएगा। नई व्यवस्था के बाद बाजार खुलने से पहले के शुरुआती पांच मिनट ट्रेडर्स के लिए खास तौर पर अहम होंगे, क्योंकि इस दौरान रातभर आई खबरों और वैश्विक बाजारों की हलचल के आधार पर ऑर्डर तेजी से बदल सकते हैं।

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

- **2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा**

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी: अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

यूएस ओपनः एम्स नवारो ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

कलिनस्काया को सीधे सेटों में दी मात

न्यूयॉर्क । अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्काया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्काया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 25वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब वह फ्लशिंग मीडोज में 2024 वाले अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगी, जब वह पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्काया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्काया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि कलिनस्काया इससे पहले नवारो के खिलाफ दोनों मुकाबले जीत चुकी थीं, लेकिन इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसाब बराबर कर दिया। यह नवारो के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। इससे पहले वह विंबलडन 2024, यूएस ओपन 2024 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

इस जीत के बाद एम्मा नवारो का अगला मुकाबला उनकी हमवतन खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला का रिकॉर्ड नवारो के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों के बीच अब तक चार मैच हुए हैं और पेगुला ने सभी में जीत हासिल की है। दोनों की सबसे हालिया भिड़ंत पिछले महीने सिनसिनाटी टूर्नामेंट में हुई थी, जहां पेगुला ने नवारो को 7-5, 6-2 से हराया था। ऐसे में

सितसिपास को हराकर शेल्टन ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

न्यूयॉर्क । अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। बेन शेल्टन के लिए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। टैलन ग्रीकस्पूर, ह्यूबर्ट हरकाज और डेनिस शापोवालोव के खिलाफ उन्हें जीत के लिए चार-चार सेट खेलने पड़े। हालांकि, चौथे दौर में शेल्टन ने अपना सबसे बेहतरीन खेल दिखाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने स्टेफानोस सिटसिपास को कोई मौका नहीं दिया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। शेल्टन ने सिर्फ 1 घंटा 51 मिनट में जीत हासिल की। बेन शेल्टन ने यूएस ओपन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने करियर में छठी बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, यूएस ओपन में यह दूसरी बार है जब उन्होंने अंतिम आठ में जगह बनाई है। शेल्टन ने 2023 में भी यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उस समय वह टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार खेल रहे थे, लेकिन सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे। हाल के महीनों में भी शेल्टन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। विंबलडन के बाद शुरू हुए नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट सीजन में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 12-2 का रहा है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। इसी दौरान उन्होंने मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी जीता। इसके अलावा, शेल्टन लगातार मजबूत खिलाड़ियों को हराते हुए आगे बढ़ रहे हैं। स्टेफानोस सितसिपास को हराने से पहले भी उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों को मात दी, जो कभी एटीपी रैंकिंग के टॉप-10 में रह चुके हैं। स्टेफानोस सिटसिपास भी इस मुकाबले में अच्छे आत्मविश्वास के साथ उतरे थे। उन्होंने यूएस ओपन में मजबूत खिलाड़ियों को हराकर चौथे दौर तक का सफर तय किया था।

दलीप ट्रॉफी

ईशान किशन ने रचा इतिहास

250 रनों की यादगार पारी खेलकर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

चेन्नई । दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। खिताबी मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 250 रनों की यादगार पारी खेलकर इतिहास रच दिया है। ईशान ने अपना दोहरा शतक 270 गेंदों में पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटने से पहले 301 गेंदों

का सामना करते हुए 250 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ने 27 चौके लगाए, जबकि 7 छक्के उनके बल्ले से निकले। ईशान अरुण लाल और सबा करीम के बाद ईस्ट जोन की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। हालांकि, ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले ईस्ट जोन के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान से पहले खिताबी मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 170 रन बनाए थे। ईशान ओवरऑल दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में 200 या उससे ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले सातवें बल्लेबाज बन हैं।

इसके साथ ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

- **पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार**

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू

क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता चीन मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने रविवार (6 सितंबर) को शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। वर्ष 2023 और 2025 के चरणों में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। सात्विक ने क्या कहा करियर की 10वीं बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर जीत दर्ज करने के बाद सात्विक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा अच्छा रहा है।

आज हमारी रणनीति काम कर गई

सात्विक ने कहा, 'इस बार भी हम चोट से वापसी के बाद यहां आए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा है। मुझे लगता है कि इस पूरे सप्ताह की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। पहले दौर को छोड़ दें तो हमने लगभग हर मुकाबला तीन गेम में खेला है। हम यहां आने से पहले ही अपनी रणनीति तैयार करके आए थे। हम उसे लागू करना चाहते थे। अगर वह काम करता तो बहुत अच्छा और अगर नहीं करता तो हम वापस जाकर फिर से उस पर काम करते। मुझे लगता है कि आज हमारी रणनीति काम कर गई। हमने आखिरकार उस सिलसिले को तोड़ दिया और 2026 में अपना दूसरा खिताब जीता। इस जीत से बहुत खुश हूं।'

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

- **पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ**

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 4002

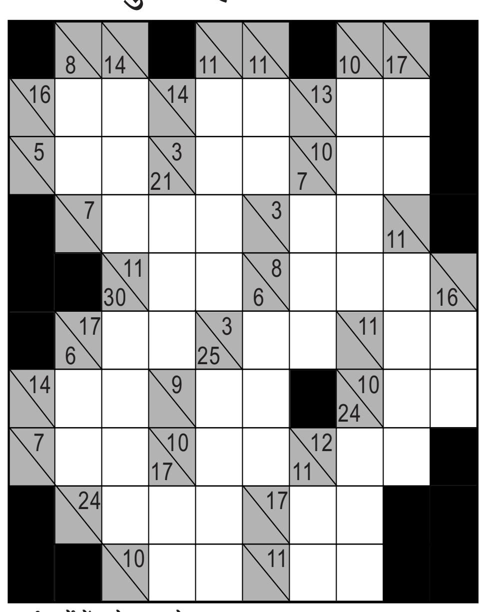

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4001 का हल

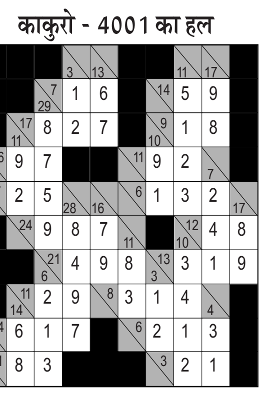

हंसी के फूव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?
अपनी जगह सभी शासन करते हैं.
वह कैसे ?
मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूँ.

□ □ □

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?
मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूँ ?

□ □ □

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.
पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

□ □ □

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.
पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.
ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 4002

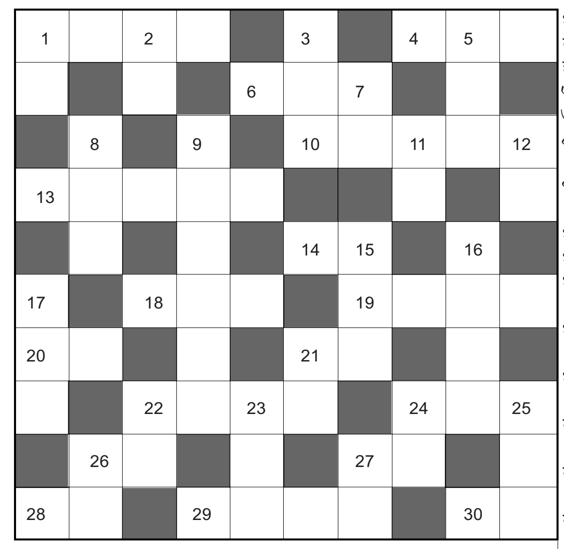

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4001

सूडोकु -4002

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4001 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 4002

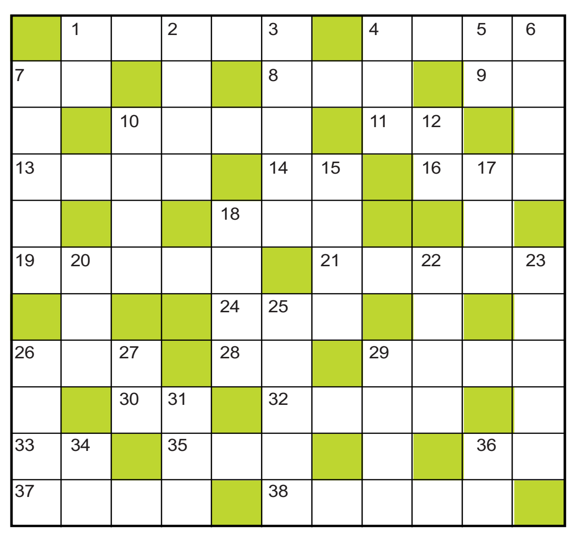

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -4001 का हल

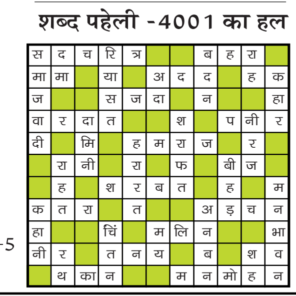

थायराइड

के मरीज को कभी नहीं करना चाहिए इन 5 चीजों का सेवन

थायरॉइड एक किस्म का हारमोन है। हमारे थायरॉइड ग्लैंड्स शरीर से आयोडीन लेकर इन्हें बनाते हैं। ये हारमोन हमारे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। जब ग्लैंड्स किसी वजह से ज्यादा हारमोन बनाने लगते हैं, तो उसे हम कहते हैं कि थायरॉइड बढ़ गया है। थायरॉइड का बढ़ा होना बड़ी दिक्कत देता है। महिलाएं इसकी सबसे ज्यादा शिकार होती हैं। इससे वजन बढ़ने के साथ ही बेचैनी, ठीक से नींद न आना, पीरियड का टाइम पर न आना, दिल की धड़कन बढ़ना जैसी परेशानियां होने लगती हैं।

इसके इलाज के लिए डॉक्टर से मिलें और वक्त पर दवा लें। यह इतनी बड़ी बीमारी भी नहीं है कि काबू न आ पाए। इसके अलावा आपको इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी चीजें न खाएं, जिससे थायरॉइड से पैदा होने वाली परेशानियां और बढ़ जाएं। आइये आपको बताते हैं कि थायरॉइड में किन चीजों से परहेज जरूरी है।

कैफीन

कैफीन वैसे तो सीधे थायरॉइड नहीं बढ़ाता, लेकिन ये उन परेशानियों को बढ़ा देता है, जो थायरॉइड की वजह से पैदा होती हैं, जैसे बेचैनी और नींद में खलल। इसलिए आप कॉफी से थोड़ा दूर ही रहें तो ठीक है।

आयोडीन वाला खाना

हमने शुरू में ही बता दिया था कि थायरॉइड ग्लैंड्स हमारे शरीर से आयोडीन लेकर थायरॉइड हारमोन को पैदा करते हैं। ऐसे में जो लोग इसके ज्यादा होने से परेशान हैं, उन्हें ऐसे खाने से परहेज करना चाहिए, जिनमें खूब आयोडीन हो। सी फूड और आयोडीन वाले नमक को अवॉइड करें।

एल्कोहल

एल्कोहल यानी शराब, बीयर आदि शरीर में एनर्जी लेवल को प्रभावित करते हैं। इससे थायरॉइड से ग्रसित लोगों की नींद में दिक्कत की शिकायत और बढ़ जाती है। इसके अलावा इससे ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। शराब तो किसी के लिए अच्छी नहीं होती। इसकी वजह से मोटापा भी बढ़ता है।

वनस्पति घी

भारत में आमतौर पर हम इसे डालडा घी बोलते हैं। इस घी को दरअसल वनस्पति तेल को हाइड्रोजन में से गुजारकर बनाया जाता है। इस घी का इस्तेमाल खाने-पीने की दुकानों में जमकर होता है। इससे अच्छे कॉलेस्ट्रॉल खत्म होते हैं और बुरे बढ़ते हैं। बढ़े थायरॉइड से जो परेशानियां पैदा होती हैं, ये उन्हें और बढ़ा देता है।

रेड मीट

रेड मीट में कॉलेस्ट्रॉल और सेचुरेडेट फैट बहुत होता है। इससे वेट तेजी से बढ़ता है। थायरॉइड वालों का वेट तो वैसे ही आगे की ओर भागता है। इसके अलावा रेड मीट खाने से थायरॉइड के रोगियों को बदन में जलन की शिकायत होने लगती है। आप चिकन वगैरा ले सकते हैं, चिकन की चेस्ट में अच्छा प्रोटीन होता है और उससे फैट बढ़ने की दिक्कत नहीं होती।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मैंने हमेशा खुद को आगे बढ़ाने में विश्वास किया है

अभिनेत्री अविका गौर ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है।

अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है। उन्होंने लिखा, ''मैंने 'खतरों के खिलाड़ी' देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती।''

अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, ''शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं 'खतरों के खिलाड़ी' की एक्सपर्ट बन गई हूं। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।'

अविका ने कहा, ''शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलग।''

उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी। मैं डर का सामना करने और स्टंट करने के इरादे से शो में गई थीं, लेकिन वहां से निकलने के बाद मुझे खुद के बारे में बहुत कुछ नया समझ आया।''

मैंने हमेशा मेहनत कर, खुद को आगे बढ़ाया

मैंने हमेशा मेहनत करने, तैयारी करने, खुद को आगे बढ़ाने और अपनी पसंद की जिंदगी बनाने में विश्वास किया है। इसलिए ऐसी चीज को स्वीकार करना, जो पूरी तरह मेरे नियंत्रण से बाहर हो, मेरे लिए मुश्किल और सच कहूं तो दिल तोड़ने वाला रहा है।' उन्होंने आगे कहा, ''कई बार इंसान किसी चीज के लिए अपना सब कुछ दे देता है, फिर भी नतीजा वैसा नहीं मिलता जैसा उसने सोचा था। शायद क्लोजर का मतलब यह तय करना नहीं है कि आप शो में बने रहने के लायक थे या आप बेहतर कर सकते थे। असली क्लोजर यह स्वीकार करना है कि कहानी उस तरह खत्म नहीं हुई, जिस तरह हमने अपने दिमाग में लिखी थी।''

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में नवाजुद्दीन के साथ स्टेज शेयर किया

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्टेज शेयर किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि वे अपने काम में हर बार कुछ नयापन जरूर लेकर आते हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'नवाजुद्दीन उम्दा किस्म के कलाकार हैं, उनके काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा। वह जो भी करते हैं, उसमें कुछ नया और अलग लेकर आते हैं।' अभिनेत्री ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना शिकागो का अनुभव शेयर करते हुए बताया, 'शिकागो में हम शो कर रहे थे और उसी समय थिएटर में कुछ तकनीकी समस्या हो गई थी, जिसके बाद नवाज का माइक काम नहीं कर रहा था और उससे आवाज नहीं आ रही थी, जिसके दर्शक चिल्लाने लगे कि उन्हें आवाज सुनाई नहीं दे रही है। जब आप लाइव परफॉर्म कर रहे हों और दर्शक चिल्ला रहे हों कि आवाज नहीं आ रही, तो बहुत ज्यादा ध्यान भटकता है। नवाज को अपनी आवाज तेज करनी पड़ी और जोर से बोलना पड़ा। एक एक्टर एक हद तक ही तेज आवाज में बोल सकता है, इसलिए हमने भी उनका साथ दिया और अपनी आवाज को उसी हिसाब से एडजस्ट किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'आखिर में उन्हें अपना माइक ठीक करवाने के लिए बैकस्टेज जाना पड़ा। चूंकि यह उनका पहला थिएटर एक्सपीरियंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे लगा कि उस वक्त मुझे जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैंने थोड़ा इम्प्रोवाइज किया और हमने उस टेक्निकल खराबी और छोटे से ब्रेक को संभाल लिया, फिर शो आगे बढ़ाया। अभिनेत्री ने आगे कहा कि स्क्रीन और थिएटर में बड़ा फर्क है कि थिएटर में आपको सब कुछ उसी वक्त संभालना पड़ता है और स्क्रीन पर रीटेक हो जाता है। उन्होंने कहा, 'आपको टेक्निकल प्रॉब्लम, ऑडियंस और परफॉर्मेंस को बिना यह दिखाए मैनेज करना होता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। मुझे लगता है कि उनसे मेरी सबसे बड़ी सीख यही थी।'

..अब महिला कलाकारों की बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती

मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' 18 सितंबर को रिलीज होनी है। इसी फिल्म को लेकर हुई बातचीत के दौरान मेघना ने दीपिका पादुकोण के आठ घंटे की शिफ्ट वाले मामले पर भी अपनी राय दी। हाल ही में दीपिका की फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़े एक विवाद में यह भी दावा किया गया कि अभिनेत्री ने मेकर्स से 10 फीसदी प्रॉफिट शेयर मांगा है। अब इस पूरे मामले पर इंटरव्यू में मेघना ने अपनी प्रतिक्रिया दी। खास बातचीत में मेघना ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद वह अपनी जिंदगी के ऐसे दौर में हैं, जब उन्हें लगा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए। जब हमने उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था। तो शायद यह उनकी जिंदगी का एक अलग समय है।' मेघना ने आगे कहा, 'वह मां हैं, उनका एक बच्चा है और अब वह अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। आप किसी से सिर्फ इसलिए कुछ नहीं छीन सकते कि वह अपनी किसी जरूरत के बारे में बात कर रही है। उसकी जिंदगी की परिस्थितियां बदलती रहती हैं और आपको इसे समझना होगा।' मेघना के मुताबिक, अगर किसी कलाकार की शर्तें किसी प्रोजेक्ट के लिए संभव नहीं हैं, तो दोनों पक्ष अपने-अपने फैसले ले सकते हैं। महिला कलाकारों को लेकर इंडस्ट्री में आए बदलाव पर मेघना कहती हैं, 'पिछले कुछ साल में मैंने महिला कलाकारों में यह बदलाव देखा है कि अब उनकी बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती। पहले 'बेचारी' कहकर उनकी बात सुन ली जाती थी। अब ऐसा कम होता है। यह बहुत बड़ा बदलाव है। अब उनकी बात बराबरी के नजरिए से सुनी जाती है।'

'हीरो की हॉररइन' में नितांशी के साथ नजर आएंगे यशवर्धन

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। यशवर्धन की पहली फिल्म का नाम 'हीरो की हॉररइन' है। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसे एकता कपूर और अमर बुटाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन साजिद खान करेंगे। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि यशवर्धन के साथ उनकी मां और गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा भी नजर आएंगी। फिल्म में यशवर्धन की जोड़ी 'लापता लेडीज' फेम एक्ट्रेस नितांशी गोयल के साथ बनाई गई है। नितांशी को आमिर खान की फिल्म 'लापता लेडीज' से खास पहचान मिली थी। 'हीरो की हॉररइन' में उनके और यशवर्धन के बीच रोमांस के साथ-साथ कॉमेडी और हॉरर का तड़का देखने को मिलेगा। मेकर्स ने फिल्म को ऐसे अंदाज में तैयार किया है, जिसमें डर के साथ हंसी और रोमांस भी कहानी का हिस्सा होंगे। यशवर्धन और नितांशी की जोड़ी भी फिल्म की खासियतों में से एक है। दोनों पहली बार बड़े परदे पर साथ दिखाई देंगे। फिल्म में सिर्फ यशवर्धन और नितांशी ही नहीं, बल्कि कई जाने-पहचाने कलाकार भी नजर आएंगे। जिनमें जेमी लीवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा जैसे कलाकार शामिल हैं।

27 नवंबर को रिलीज होगी इमरान की 'गनमास्टर जी9'

फिल्म 'आवारापन 2' के बाद इमरान हाशमी की अगली फिल्म का ऐलान हो गया है। वह अब 'गनमास्टर जी9' में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज डेट भी लॉक कर दी गई है। यह फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 27 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट के लिए इमरान, निर्देशक आदित्य दत्त और संगीतकार हिमेश रेशमिया करीब दो दशक बाद फिर साथ आए हैं। इमरान के लिए 'गनमास्टर जी9' इसलिए भी खास है क्योंकि यह 'आवारापन 2' के बाद उनकी अगली बड़ी रिलीज होगी। 'आवारापन' फ्रेंचाइज से गंभीर किरदार में दिखने के बाद अब एक्शन जॉनर में दिखाई देंगे।

फिल्म में इमरान के साथ जेनेलिया और अपारशक्ति भी नजर आएंगे

'गनमास्टर जी9' में इमरान के साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना भी हैं। इसका निर्माण दीपक मुकुट, संगीता अहीर और हुनर मुकुट ने किया है। इसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत कर रहा है। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और हिमेश रेशमिया इससे पहले 'सनम तेरी कसम' और 'जीनियस' जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए साथ काम कर चुके हैं। 'गनमास्टर जी9' के साथ यह सहयोग एक बार फिर बड़े परदे पर देखने को मिलेगा।

तृषा की अगली फिल्म में साथ होंगी राधिका सरतकुमार

तृषा कृष्णन, राधिका सरतकुमार और अपर्णा बालमुरली लंदन में एक नई साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म की शूटिंग में जुट गई हैं। जानिए फिल्म की कहानी और रिलीज डेट को लेकर पूरी जानकारी। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसकी कहानी पूरी तरह महिलाओं के इर्द-गिर्द होगी। इसमें तृषा, राधिका और अपर्णा अलग-अलग पीढ़ियों की तीन शानदार एक्ट्रेसेस के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग लंदन में हो रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म में सिर्फ डर और हॉरर दिखाने के बजाय साइकोलॉजिकल टेंशन, रहस्य और माहौल पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के जरिए डायरेक्टर राजा कृष्ण मेनन तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। राजा कृष्ण मेनन इससे पहले 'एयरलिफ्ट', 'शेफ' और 'पिप्पा' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इस फिल्म के साथ वह एक बिल्कुल नए जॉनर में कदम रख रहे हैं। यह उनकी पहली तमिल फिल्म होने के साथ-साथ पहली साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म भी है।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने दी बड़ी अपडेट

'3 इडियट्स' बॉलीवुड की सबसे ज्यादा मशहूर फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के रिलीज होने के लगभग दो दशक बाद निर्देशक राजकुमार हिरानी ने इसके संभावित सीक्वल के बारे में एक बड़ी जानकारी दी है। हिरानी ने कंफर्म किया कि वह और उनकी राइटिंग टीम एक ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो किरदारों को वापस ला सकती है। '3 इडियट्स' में आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी ने काम किया था।

3 इडियट्स को लेकर बोले हिरानी?

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम चल रहा है लेकिन फिल्ममेकर इसकी डिटेल्स बताने की जल्दी में नहीं हैं। राजकुमार हिरानी ने एएनआई से कहा 'हम इस पर काम कर रहे हैं। जब प्रोजेक्ट सही स्टेज पर होगा, तब टीम इस पर चर्चा करेगी।' उन्होंने यह भी कन्फर्म किया कि कास्ट वही रहेगी, जिससे यह संकेत मिलता है कि आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी इसमें वापसी करेंगे। हिरानी ने साफ किया कि प्रोजेक्ट अभी भी राइटिंग स्टेज में है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह कभी बनेगा भी या नहीं। उन्होंने कहा 'हम तभी आगे बढ़ेंगे जब राइटिंग सही से हो जाएगी। हम इसे तभी बनाएंगे जब सब कुछ ठीक से हो जाएगा, वरना नहीं बनाएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया है। अगर हम उसके लेवल तक नहीं पहुंच पाए, तो कोई फायदा नहीं है।'

कहानी पर नहीं आई कोई जानकारी

हिरानी ने कन्फर्म किया कि 'कास्टिंग वही रहेगी', जिससे ओरिजिनल एक्टर्स की वापसी को लेकर अटकलें तेज हो सकती हैं। हालांकि फिल्ममेकर ने अभी तक पूरी कास्ट की घोषणा नहीं की है और न ही किरदारों की कहानी के बारे में कोई जानकारी दी है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में मुस्लिम आबादी और मस्जिदें बढ़ीं, फिर भी 9/11 की छाया क्यों नहीं हुई खत्म

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका अगले हफ्ते 9/11 हमले की 25वीं बरसी मनाएगा। इस लंबी अवधि में बहुत कुछ बदल दिया है। लेकिन आज भी अमेरिकी समाज में मुस्लिमों की छवि नहीं बदल पाई है। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे के मुताबिक, 51% अमेरिकी अब भी मुस्लिमों को संदेह की नजर से ही देखते हैं। अमेरिका में मुस्लिम आबादी, मस्जिदों की संख्या बढ़ी है और राजनीतिक स्तर पर भी समुदाय की सक्रियता बढ़ी है। लेकिन हिंसक समुदाय होने की उसकी छवि जस की तस बनी है। प्यू रिसर्च सेंटर अमेरिका में मुस्लिमों की स्थिति, अमेरिकियों की सोच और खुद मुस्लिमों की राय पर समय-समय पर सर्वे करता रहा है। इस साल के सर्वे में 43% अमेरिकी वयस्कों ने माना कि मुसलमान अन्य नागरिकों की तुलना में कम देशप्रेमी हैं, जबकि 42% का मानना था कि अमेरिकी मुसलमानों का देश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इससे पीछे 9/11 का खौफ साफ झलकता है। एफबीआई के मुताबिक, 2001 में मुस्लिमों के खिलाफ घृणा अपराध मामले 481 तक पहुंच गए थे, जो 2000 में मात्र 28 थे। तबसे इनमें उतार-चढ़ाव आता रहा है (2021 में 95 थे और 2016 में 307) लेकिन आंकड़ा 9/11 से पूर्व के स्तर पर नहीं लौट सका। डेमोक्रेट्स की तुलना में रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े लोग अधिकतर यह राय रखते हैं कि मुस्लिम धर्म को मानने वाले अधिक हिंसक होते हैं।

आसिम मुनीर की ताकत में इजाफा: मिली तीनों सेनाओं की कमान; बने पाकिस्तानी के पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संसद ने देश के इतिहास में पहली बार एक ही सैन्य अधिकारी को सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों की कमान सौंपी है। इससे उन्हें अभूतपूर्व कानूनी ताकत मिली है। अगस्त के अंत में नेशनल असेंबली ने डिफेंस फोर्सेस ऑफ पाकिस्तान एक्ट, 2026 पारित कर चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) का नया पद बनाया। नए कानून के तहत फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को देश का पहला सीडीएफ नियुक्त किया गया। वह अपने मौजूदा सेना प्रमुख के पद के साथ नई जिम्मेदारी को भी संभालेंगे। सीडीएफ के पद के साथ मुनीर पाकिस्तान में और ताकतवर बनकर उभरे हैं। 1976 के बाद से यह पाकिस्तानी सैन्य कमान में सबसे बड़ा ढांचागत बदलाव माना जा रहा है। इससे पहले 1976 में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद बनाया गया था, लेकिन उसके पास नौसेना या वायुसेना को संचालित करने की कोई औपचारिक कानूनी ताकत नहीं थी। पुराने पद का काम सिर्फ तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बिठाना था और उसका नौसेना या वायुसेना पर कोई अधिकार नहीं था। इसके उलट सीडीएफ के पास तीनों सेनाओं पर कानूनी ऑपरेशनल कमांड है। यह सीधे सरकार को रिपोर्ट करेगा और इसके पास ऐसे फैसले लागू करने की शक्ति है जो पुराने पद के पास कभी नहीं थी। नए नियमों के अनुसार, परमाणु बलों की कमान का पद अब कानूनी रूप से केवल सेना के पास रहेगा।

अमेरिकी सेना बच्चों की हत्यारी, उनका झूठा गौरव तोड़ा': हमले के बाद ईरान ने यूएस को लताड़ा, दे डाली धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत में स्थित ईरान के दूतावास ने छह सितंबर, 2026 को एक्स अकाउंट पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी का बयान साझा किया। बयान के मुताबिक, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने अमेरिकी सेना के एक विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। ईरान ने आरोप लगाया कि दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान की नौसैनिक नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे। आईआरजीसी ने अपने बयान में अमेरिकी सेना को खूब सुनाया। उसने अमेरिकी सेना को आक्रामक और बच्चों की हत्या करने वाली अमेरिकी सेना बताया। ईरानी संगठन ने दावा किया कि मिसाइल हमले के बाद दोनों अमेरिकी युद्धपोतों को नुकसान पहुंचा और आगे के हमले के डर से उन्हें मुठभेड़ वाले इलाके से भागना पड़ा। बयान में अमेरिका की क्षेत्रीय सैन्य मौजूदगी को भी निशाना बनाया गया। ईरान ने अमेरिका को आक्रामक दुश्मन बताते हुए कहा कि वह कई वर्षों से क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को लेकर घमंड करता रहा है। आईआरजीसी के मुताबिक, अमेरिकी पक्ष को अब अधिकारिक रूप से यह स्वीकार करना पड़ा कि उसके दो नौसेना युद्धपोत हमले की चपेट में आए।

इस्राइल पर बरसे अमेरिकी राजदूत हकबी, सेटलर्स को आतंकवादी बताया; फलस्तीनी जनता पर रूख क्या

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकबी ने शनिवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इस्राइली सेटलर्स की हिंसा की एक बार फिर कड़ी निंदा की। महीनों से हमलों का सामना कर रहे फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मुलाकात के दौरान उन्होंने सेटलर्स की इन गतिविधियों को 'आतंक का कृत्य' बताया। हकबी ने हिंसा में शामिल सेटलर्स के लिए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया, जो अमेरिकी अधिकारी आमतौर पर फलस्तीनी उग्रवादियों के लिए करते हैं।

'यह सिर्फ अपराध नहीं, आतंक का कृत्य है' : तुर्मुस अय्या गांव के दौरे के दौरान हकबी ने कहा, 'अगर कोई घुसपैठिया आकर अपना झंडा लगाता है और ऐसी जमीन या संपत्ति पर कब्जा करता है, जो उसकी नहीं है, अगर वह कार जलाता है, मस्जिद में आग लगाता है, किसी के घर में घुसकर तोड़फोड़ करता है या दीवारों पर आपत्तिजनक बातें लिखता है, तो यह आपराधिक कृत्य है। लेकिन यह सिर्फ अपराध तक सीमित नहीं है। यह आतंक का कृत्य है।' तुर्मुस अय्या गांव में पिछले एक साल के दौरान इस्राइली सेटलर्स की ओर से कई बार हमले किए जाने की खबरें सामने आई हैं।

7 अक्टूबर के बाद वेस्ट बैंक में बढ़ी हिंसा : संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय के मुताबिक, 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इस्राइल पर हमास के नेतृत्व में हुए हमले के बाद गाजा में शुरू हुए युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक में बसने वालों की हिंसा में भी तेजी आई है। हकबी ने पिछले महीने वेस्ट बैंक के कुसरा शहर में कई हफ्तों तक चली अशांति के बाद भी हिंसा में शामिल बसने वालों के लिए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया था। उस दौरान बसने वालों ने कई घरों को घेर लिया था। इनमें एक फलस्तीनी-अमेरिकी परिवार का घर भी शामिल था।

'हकबी, आतंकवादियों की ओर से शुभकामनाएं' : कुसरा की घटना के कुछ दिन बाद वेस्ट बैंक के बाजरिया गांव के निवासियों ने आरोप लगाया था कि बसने वालों ने एक मस्जिद में आग लगा दी। इसके बाद मस्जिद की दीवार पर हिब्रू भाषा में एक संदेश लिखा गया- 'हकबी, आतंकवादियों की ओर से शुभकामनाएं।' शनिवार को जब हकबी से इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि उन्होंने इसे स्वीकार किया।' मुझे नहीं लगता कि उनका इरादा ऐसा करने का था, लेकिन मेरा मानना है कि वे एक बहुत छोटे अल्पसंख्यक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।' इससे एक सप्ताह पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 'मुट्ठी भर दंगाइयों' की हरकतों की निंदा की थी। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने भी सेटलर्स की गतिविधियों को 'शर्मनाक' बताया था। हालांकि, नेतन्याहू की मौजूदा सरकार को इस्राइल के इतिहास की सबसे अधिक अति-राष्ट्रवादी और धार्मिक सरकार माना जाता है। उसके कार्यकाल में वेस्ट बैंक में इस्राइली बस्तियों के निर्माण में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय का बड़ा हिस्सा इन बस्तियों को अवैध मानता है। शनिवार को तुर्मुस अय्या पहुंचे हकबी ने शुरुआत में स्पष्ट किया कि उनकी यात्रा का एक मकसद वेस्ट बैंक में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों से मिलना है। ये लोग वेस्ट बैंक में रहने वाले करीब 30 लाख फलिस्तीनियों की आबादी का एक छोटा हिस्सा हैं, लेकिन तुर्मुस अय्या की आबादी में उनका महत्वपूर्ण हिस्सा है। हकबी ने कहा, 'मुझे अच्छी तरह पता है कि तुर्मुस अय्या और इस इलाके के दूसरे समुदायों में रहने वाले बहुत से अमेरिकी लोग वैसी जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं, जिसके वे हकदार हैं। वे शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहे हैं।'ऐसे लोगों की वजह से उनकी जिंदगी प्रभावित हो रही है, जिन्होंने बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां अनुचित और गैर-कानूनी हैं।

अमेरिकी दूतावास नहीं कर सकता जांच : हकबी ने कहा कि अमेरिकी दूतावास आपराधिक गतिविधियों की जांच नहीं कर सकता। हालांकि, वह इस्राइली सरकार को यह स्पष्ट कर सकता है कि कुछ मामलों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। कुछ जरूरतें हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए, कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुछ खास अपराध और आतंकी गतिविधियां ऐसी हैं, जो जारी नहीं रह सकतीं। संबंधित देश को उनकी जांच करनी चाहिए और कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसी कार्रवाई की उम्मीद करना हर व्यक्ति का अधिकार है।

10 फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मिले हकबी : नगरपालिका ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हकबी ने करीब 10 फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मुलाकात की। इन लोगों ने उन्हें बताया कि बसने वालों की हिंसा ने उनकी जिंदगी और संपत्ति को किस तरह प्रभावित किया है। इस्राइल ने 1967 के मध्य-पूर्व युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक के साथ-साथ गाजा और पूर्वी यरुशलम पर भी कब्जा कर लिया था। फलस्तीनी इन क्षेत्रों को अपने भविष्य के स्वतंत्र देश का हिस्सा बनाना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का बड़ा हिस्सा इन क्षेत्रों को कब्जे वाले इलाके मानता है।

11 दिन बाद भी तबाही का कहर: चीन-नेपाल आर्थिक गलियारा तबाह; मलबे से जिंदा निकली बुजुर्ग महिला और चीनी नागरिक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन के 11 दिन बाद भी तबाही का मंजर जारी है। चीन-नेपाल के बीच जमीनी व्यापार का प्रमुख केंद्र ग्यिरोंग पोर्ट और उससे जुड़ी सीमा चौकी पूरी तरह तबाह हो चुकी है। लगातार सामने आ रही तस्वीरें इसकी भयावह स्थिति बयां कर रही हैं। चीन ने नेपाल में हुई इस तबाही से हुए नुकसान पर भले ही चुप्पी साध रखी हो, लेकिन इस आर्थिक गलियारे के ठप होने से नेपाल की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला पर असर साफ दिखने लगा है। भारत के जाने-माने भू-रणनीतिकार और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी का कहना है कि इस रास्ते होने वाला व्यापार पूरी तरह ठप होने से काठमांडो को अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए भारत पर और अधिक निर्भर होना पड़ेगा। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत ट्रांस-हिमालय कनेक्टिविटी नेटवर्क में चीन ग्यिरोंग क्रॉसिंग को एक रणनीतिक केंद्र मानता है। ग्यिरोंग बंद होने से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है। इससे चीनी सामानों की कमी हो रही है और नेपाल के घरेलू बाजार में महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। यहां दोनों देशों के बीच ट्रकों की आवाजाही, माल की चेकिंग, क्लियरेंस और स्टोरेज के लिए बड़े ड्राई पोर्ट और गोदाम बने थे।

लाखों टन मलबा साफ करने के बाद ही शुरू हो पाएगा मार्ग : तबाही के बाद व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह बहाल करने में अभी काफी समय लगेगा। भारी मालवाहक ट्रैफिक सुरक्षित रूप से फिर से शुरू होने से पहले इंजीनियरों को लाखों टन मलबा साफ करना होगा, ऊंचे पहाड़ी रास्तों को स्थिर करना होगा, हिमस्खलन के कारण ऊपर की ओर बनी झीलों के खतरे को कम करना होगा और बह चुके पुलों का पुनर्निर्माण करना होगा। अब इसे कुदरत का करिश्मा कहें या चमत्कार, नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के 11वें दिन शनिवार को मलबे में दबे एक चार मंजिला मकान से एक बुजुर्ग महिला को जिंदा निकाला गया। परिजनों ने महिला के जीवित मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी और उनका प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार भी कर दिया था। वहीं, बचाव दलों ने अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना से जुड़ी एक सुरंग से एक चीनी नागरिक को भी सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आए हिमस्खलन के बाद भोटेकोशी नदी में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। देश भर में मृतकों का आंकड़ा 1,344 तक पहुंच गया है, जबकि 589 विदेशी नागरिकों सहित लगभग 5,000 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें भारत के भी 250 से अधिक नागरिक शामिल हैं।

अमेजन संस्थापक की पूर्व पत्नी की दरियादिली: अश्वेत कॉलेजों को अरबों का दान; मैकेंजी स्कॉट क्यों बनी मिसाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने अमेरिका के ऐतिहासिक रूप से अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए दान के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। उनकी हालिया 4.2 करोड़ डॉलर की मदद के बाद इन संस्थानों को दिए उनके कुल दान का आंकड़ा एक अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। स्कॉट ने इस साल नॉर्थ कैरोलिना की एलिजाबेथ सिटी स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर का दान दिया। यह रकम विश्वविद्यालय के फाउंडर्स डे के मौके पर दी गई। जेफ बेजोस से अलग होने के बाद स्कॉट की संपत्ति कैसे बढ़ी स्कॉट ने 2020 में अमेजन में अपनी करीब आधी हिस्सेदारी बेच दी थी। इसके बाद उन्होंने बड़े स्तर पर परोपकारी काम शुरू किया। वर्ष 2020 से अब तक वह शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास, आपदा राहत और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले हजारों संगठनों के लिए करीब 26 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं। किन बड़े विश्वविद्यालयों को मिला स्कॉट का दान स्कॉट ने पिछले कुछ वर्षों में कई अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को बड़ी रकम दी है। नवंबर 2025 में उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी को 8 करोड़ डॉलर दिए थे। इसके अलावा मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रेयरी व्यू एंड्एम यूनिवर्सिटी, नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी, बोवी स्टेट यूनिवर्सिटी और वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों को भी उन्होंने आर्थिक मदद दी है। स्कॉट के दान में अलबामा स्टेट यूनिवर्सिटी को 2025 में 3.8 करोड़ डॉलर, अल्कॉर्न स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर और मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी को 2020 और 2025 में कुल 10.3 करोड़ डॉलर शामिल हैं। प्रेयरी व्यू एंड्एम यूनिवर्सिटी को 11.3 करोड़ डॉलर और नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी को 9 करोड़ डॉलर भी मिले हैं। स्कॉट के कई दान बिना किसी विशेष शर्त के दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि विश्वविद्यालय अपनी जरूरत के हिसाब से रकम का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका उपयोग छात्रवृत्ति, शिक्षकों की नियुक्ति, एंडोमेंट, कैंपस सुधार या अन्य प्राथमिकताओं के लिए किया जा सकता है।

अंडरवियर से मिट्टी की जांच: मच्छर की सूंड से बनाई नोजल; ऐसे शोध जिन्होंने हंसाया, फिर सोचने पर किया मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिक अंतरिक्ष, बीमारियों और जलवायु पर शोध करते हैं, यह तो आम बात है। लेकिन क्या मिट्टी की सेहत जांचने के लिए अंडरवियर जमीन में दबाया जा सकता है क्या मूत्रालय में पड़ने वाले छींटों को भी विज्ञान की मदद से रोका जा सकता है और क्या चींटियां भी चुंबन करती हैं सुनने में ये सवाल भले ही मजाक जैसे लगें, लेकिन इनके जवाब तलाशने के पीछे बाकायदा वैज्ञानिक तर्क और गंभीर शोध छिपा है। ऐसे ही अनोखे और दिलचस्प शोधों को 2026 के इग नोबेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

शोध जो सोचने पर करते हैं मजबूर : स्प्रिंगर नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक, स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 3 सितंबर को आयोजित समारोह में ऐसे शोधों को सम्मानित किया गया, जो पहले हंसाते हैं और फिर लोगों को उनके पीछे छिपे वैज्ञानिक सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की मटिल्डा ब्रिंडल और उनके सहयोगियों को जैव-यांत्रिकी का पुरस्कार चुंबन की वैज्ञानिक परिभाषा तैयार करने के लिए मिला। वैज्ञानिकों के मुताबिक, चुंबन की परिभाषा में दो जीवों के मुंह का आपस में संपर्क होना चाहिए और उनके होंठ या मुखांगों में कुछ हलचल भी होनी चाहिए। इस परिभाषा ने कई जानवरों को भी 'चुंबन' करने वाले जीवों की सूची में शामिल कर दिया।

एक हजार अंडरवियर से मिट्टी की सेहत की जांच : मृदा विज्ञान का पुरस्कार उस प्रयोग को मिला, जिसमें 25 से अधिक देशों में एक हजार जोड़ी अंडरवियर मिट्टी में दबाई गई। करीब दो महीने बाद इन्हें जमीन से बाहर निकालकर देखा गया कि कपड़ा कितना टूट चुका है। यह प्रयोग सुनने में जितना मजेदार लगता है, इसका मकसद उतना ही गंभीर था। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव कपड़े के प्राकृतिक रेशों को तोड़ते हैं। ऐसे में अंडरवियर कितनी तेजी से गलता है, उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मिट्टी में जैविक गतिविधि कितनी है। कपड़े के टूटने की गति पर इस बात का भी खास असर पड़ता है कि संबंधित भूमि का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है। शौचालय में तरल के उछलने की वजह भी बनी शोध का विषय भौतिकी के पुरस्कार में वैज्ञानिकों ने यह समझने की कोशिश की कि शौचालय में तरल किसी सतह से टकराने के बाद वापस क्यों उछलता है। इसके लिए किए गए प्रयोगों के आधार पर ऐसी डिजाइन सुझाई गई, जिससे सामान्य स्थिति की तुलना में छींटों को लगभग 1.4 प्रतिशत तक कम किया जा सके। प्रौद्योगिकी का पुरस्कार उस प्रयोग को मिला, जिसमें मच्छर की सूंड को 3-डी प्रिंटिंग के लिए बेहद बारीक नोजल के रूप में इस्तेमाल करने की संभावना पर काम किया गया। मच्छर की सूंड की बेहद महीन और जटिल संरचना ने वैज्ञानिकों को तकनीक के एक नए इस्तेमाल के बारे में सोचने का आधार दिया। अर्थशास्त्र का पुरस्कार उस शोध को मिला, जिसमें संपन्न लोगों के व्यवहार का अध्ययन किया गया।

होर्मुज में फिर छिड़ेगी जंग: ईरान ने अमेरिकी विमानवाहक पोत पर मिसाइल हमले का किया दावा, यूएस ने क्या कहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने शनिवार को दावा किया कि उसने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पोत पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान का आरोप है कि ये दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे। आईआरजीसी के मुताबिक, हमले के बाद दोनों युद्धपोतों को नुकसान हुआ और वे दोबारा हमले के डर से संघर्ष क्षेत्र से पीछे हट गए।

होर्मुज में तनाव की असली वजह क्या है : यह घटनाक्रम अमेरिकी और ईरानी जहाजों के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सामने आया है। आईआरजीसी की नौसेना ने पहले दावा किया था कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से कथित तौर पर अनधिकृत मार्ग से गुजर रहे तीन तेल टैंकरों और दूसरे इलाकों में अमेरिका से जुड़े तीन जहाजों को निशाना बनाया। ईरान ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से तीन ईरानी तेल टैंकरों पर हमले के जवाब में की गई। ईरानी नौसेना ने अपने बयान में आसपास के जहाजों को चेतावनी दी कि वे कथित अनधिकृत जलमार्गों से गुजरने से बचें और किसी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में उन्हें निशाना बनाया जा सकता है।

ईरान ने अमेरिका को क्या सीधी चेतावनी दी : आईआरजीसी ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर ईरानी जहाजों के खिलाफ उसकी कथित आक्रामक कार्रवाई जारी रही तो उसे कड़ा जवाब मिलेगा। ईरान ने कहा कि उसके सशस्त्र बल आगे भी जवाबी कार्रवाई करेंगे। आईआरजीसी की ओर से यह भी कहा गया कि जहाजों को अमेरिकी सेना के बहकावे में नहीं आना चाहिए और होर्मुज जलडमरूमध्य में संदिग्ध या कथित अनधिकृत रास्तों से गुजरने से बचना चाहिए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम के अनुसार, पांच सितंबर को अमेरिकी बलों ने तीन ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर हमला किया। यह कार्रवाई ईरान की ओर से क्षेत्रीय समुद्र में गश्त कर रहे दो अमेरिकी नौसैनिक जहाजों पर बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के बाद की गई। सेंटकॉम ने कहा कि एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक निर्देशित मिसाइल विध्वंसक ने ईरान के कई हमलों से सफलतापूर्वक बचाव किया और किसी अमेरिकी कर्मी को नुकसान नहीं पहुंचा।

ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिकी हमला: धू-धू कर जलता रहा जहाज, सीईएनटीसीओएम ने जारी किया वीडियो; हेगसेथ ने दी खुली धमकी

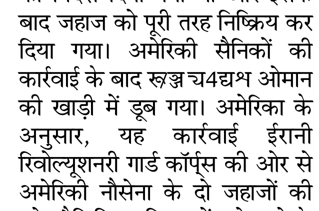

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हमला किया गया तो अमेरिका ईरान के तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा और समुद्र में डुबो देगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाने की जानकारी दी है और ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है।

पीट हेगसेथ ने ईरान को क्या चेतावनी दी : हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के बयान को साझा करते हुए कहा कि अगर ईरान अमेरिकी जहाजों पर गोली चलाता है तो उसके तेल टैंकरों को नष्ट और डुबो दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान को सिर्फ अमेरिकी नौसेना पर हमला नहीं करना है। कूपर ने भी चेतावनी दी कि अगर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दो अमेरिकी जहाजों पर हमला किया तो अमेरिकी सेना तीन ईरानी जहाजों को निशाना बनाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर ईरान के सीमित और खुले तेल बेड़े को नष्ट करने से अमेरिका पीछे नहीं हटेगा।

अमेरिका ने ईरान के कितने तेल टैंकरों को निशाना बनाया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, शनिवार को अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी कच्चे तेल ले जाने वाले टैंकरों पर हमला किया। इनमें एक टैंकर खार्ग द्वीप के पास था, जो ईरान का प्रमुख तेल निर्यात केंद्र है। अमेरिकी सेना ने बताया कि इनमें भी शामिल था, जो ओमान की खाड़ी में डूब गया। सेंट्रल कमांड ने इसे पूरी तरह नष्ट किए जाने की जानकारी दी। दो अन्य टैंकरों को भी अमेरिकी सेना ने निष्क्रिय करने की बात कही है।

अमेरिकी सेना ने टैंकर डुबोने का वीडियो क्यों जारी किया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने हमले का वीडियो जारी किया है। वीडियो में टैंकर आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, चालक दल को पहले जहाज छोड़ने का निर्देश दिया गया था और इसके बाद जहाज को पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया गया। अमेरिकी सैनिकों की कार्रवाई के बाद रूज़चक्टन ओमान की खाड़ी में डूब गया। अमेरिका के अनुसार, यह कार्रवाई ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की ओर से अमेरिकी नौसेना के दो जहाजों की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने के बाद की गई।

ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले को लेकर क्या दावा किया : ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया। हालांकि, इन दावों की अमेरिका की ओर से तत्काल पुष्टि नहीं हुई। ईरानी सेना ने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरानी जहाजों के खिलाफ कार्रवाई और नौसैनिक नाकाबंदी जारी रही तो अमेरिकी सैन्य जहाजों के खिलाफ उसके हमले पहले से ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने दावा किया कि खर्ग के पास एक टैंकर पर चार अमेरिकी मिसाइलें दागी गईं।

हैजा रोकने को मिला क्लोरीन: सूडान की सेना ने बना डाले 1,100 रासायनिक हथियार, गोपनीय डोजियर से खुलासा

खार्तूम, एजेंसी। तपते रेगिस्तान में चोरी-छिपे बम परीक्षण, हथियारों की सीक्रेट फैक्टरी के फर्श पर दम घुटने से मरे पड़े बिच्छू और कीड़े-मकोड़े, और जंग के बीच राजधानी खार्तूम के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन के बड़े-बड़े सिलिंडरों की चोरी...गोपनीय डोजियर से सामने आई ऐसी कुछ जानकारियां सूडान सरकार के इन दावों को नकारने के लिए काफी है कि उसने गृह युद्ध के दौरान रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया।

खुफिया रिपोर्ट में हुआ खुलासा : सूडान में पिछले तीन साल से जारी खूनी गृहयुद्ध के बीच एक पश्चिम एशियाई खुफिया एजेंसी की ओर से जुटाए गए 150 से अधिक दस्तावेजों, वीडियो, तस्वीरों और हजारों इंटरसेप्टेड फोन कॉल्स से चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इससे पता चलता है कि सूडानी सेना ने अपने खिलाफ मोर्चा खोलने वाली रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) को पस्त करने के लिए 2024 में बड़े पैमाने पर क्लोरीन गैस आधारित रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इस केमिकल प्रोजेक्ट की कमान ब्रिगेडियर जनरल तारिक हुसैन के हाथों में थी।

पारंपरिक वॉरहेड के साथ क्लोरीन का उपयोग : लीक ब्लूप्रिंट के अनुसार, पारंपरिक वॉरहेड के साथ 33 पाउंड क्लोरीन गैस का इस्तेमाल किया गया। योजना यह थी कि धमाके के छर्रों से दुश्मन घायल हो और बची-खुची जान जहरीली गैस ले लेगी। साथ ही धमाके के चलते मौके पर केमिकल के सबूत भी नष्ट हो जाएंगे।

राहत एजेंसियों की मदद का किया दुरुपयोग : राजधानी खार्तूम पर जब आरएसएफ का कब्जा होने लगा, तो जुलाई 2024 में जनरल तारिक ने सेना को क्लोरीन बम बनाने का सुझाव दिया। सेना ने ओमदुरमैन स्थित अल-मनारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से बड़े पीले सिलिंडर जब्त किए। विडंबना यह है कि युद्धग्रस्त इलाकों में हैजा महामारी को रोकने और पानी साफ करने के लिए ये सिलिंडर यूनिसेफ, रेड क्रॉस और केयर जैसी अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसियों ने दान में दिए थे।

अगस्त 2024 में जनरल हुसैन के भेजे एक संदेश से पता चलता है कि मिस्र से 20 क्लोरीन सिलिंडर मंगवाए गए थे, जो 1,100 रासायनिक बम बनाने के लिए पर्याप्त थे।

सेना प्रमुख ने दिए सबूत मिटाने के निर्देश : अमेरिकी प्रशासन ने कुछ सबूतों के आधार पर जनवरी 2025 से सूडानी सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान पर कड़े प्रतिबंध लगाना शुरू किए थे। अब सामने आए डोजियर से साफ हुआ है कि जनरल बुरहान को इस पूरे प्रोजेक्ट की सीधी जानकारी थी और उन्होंने अमेरिकी खुलासे के बाद इसके सभी सबूत मिटाने के निर्देश दिए थे।

दुश्मनों ने पी ली जहरीली गैस...सच कैसे सामने आया : अक्तूबर 2024 तक मेरोवे एयरपोर्ट के बेस पर करीब 300 केमिकल बम तैयार करके रख दिए गए थे। 22 जुलाई 2024 को मेरोवे एयरपोर्ट से एंटोनोव विमान ने उड़ान भरी और रेगिस्तान में पहला सफल टेस्ट किया। लीक डोजियर से पता चलता है कि उसी समय जनरल हुसैन ने मैसेज भेजा था, परीक्षण 100% सफल रहा, बम निशाने पर गिरा और गैस फैल गई। सितंबर 2024 को अल-जैली तेल रिफाइनरी पर रासायनिक हमला किया गया। हुसैन के इंटरसेप्ट किए गए संदेश में लिखा था, उन्होंने गैस पी ली है। उस समय सोशल मीडिया पर विद्रोहियों को ऑक्सीजन मास्क पहने देखा गया था।

सबूत मिटाने का खेल : मई 2025 में जब अमेरिका ने रासायनिक हथियारों के संदेह पर सूडान पर प्रतिबंध लगाए, तो सेना प्रमुख जनरल बुरहान ने तुरंत जनरल हुसैन को मैसेज भेजकर सबूत मिटाने का फरमान सुनाया। जवाब मिला, ऑपरेशन एक महीने पहले ही पूरा कर दिया गया है। बाद में दुनिया की आंखों में धूल झोंकने के लिए बुरहान ने आरोपों की जांच के लिए एक आंतरिक कमेटी गठित की। इसका मुख्य सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल तारिक हुसैन को ही बना दिया गया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)